दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

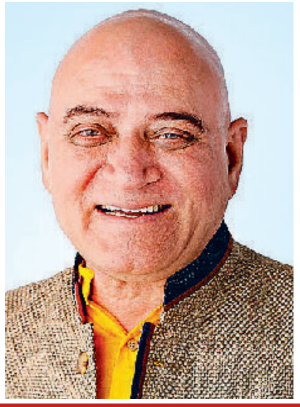

हर परेशानी को भुलाकर...... हंसना योगा साथ साथ .....

वर्ष : 11 | अंक : 137 | लखनऊ, 05 मई, सोमवार 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

हर पीड़ित के पास पहुंचे सीएम योगी

पेंशन मांगने आए बुजुर्गों को दिया आश्वासन, बच्चों को दुलारा

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'जनता दर्शन' में एक-एक कर सभी से मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा। प्रत्येक पीड़ित की शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में कई पीड़ित अपने परिवार के साथ आए थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारा, उनकी शिक्षा के बारे में जानकारी ली और चॉकलेट भी दी। उन्होंने बच्चों को खूब पढ़ने व उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

सीएम ने हर किसी की समस्याएं सुनी

मुख्यमंत्री करीब एक पखवाड़े बाद रविवार को फिर जनता दर्शन में खुद मौजूद थे। इस दौरान प्रदेश भर से 60 से अधिक फरियादी आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर नागरिकों के चेहरे पर खुशहाली लाना ही सरकार की प्राथमिकता है और सरकार इसके लिए पहले दिन से कार्य कर रही है। जनता दर्शन में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क निर्माण समेत अनेक मामले आए। उन्होंने प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

सीएम ने समस्याओं के निस्तारण के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने प्रतापगढ़ के कुंडा में विगत दिनों एक स्कूल में मासूम से यौन उत्पीड़न की घटना का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस घटना के आरोपितों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, दो महिलाओं ने पुलिस से संबंधित शिकायत की, जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से सुना और कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन में लखनऊ के एक राजमिस्त्री वृद्धावस्था पेंशन की फरियाद लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया। आरटीई, खेत की पैमाइश, आवास, चकरोड, खेतों में कब्जा, बिजली कनेक्शन समेत कई अन्य समस्याओं को लेकर पीड़ित पहुंचे, जिसके समाधान का मुख्यमंत्री ने भरोसा दिया।

उद्यमी समाधान दिवस में मिलेंगी 36 प्रकार की आनलाइन सेवाएं, बढ़ेगा निवेशकों का भरोसा

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ : प्रदेश में उद्योगों और उद्यमियों की परेशान का नए सिरे से समाधान किया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) उद्यमियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उद्यमी समाधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य उद्यमियों की जमीनी समस्याओं को सुनना, समझना और त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उद्यमियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए इस मौके पर यूपीसीडा की तरफ से 36 प्रकार की आनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन सेवाओं के माध्यम से भूमि आवंटन से लेकर उत्पादन प्रारंभ होने तक की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें राज्य के वरिष्ठ अधिकारी एवं यूपीसीडा के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे।

आतंकवाद मानवता के सामने संकट बना हुआ है: राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद मानवता के सामने एक संकट बना हुआ है और उसके सभी रूपों की स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए। मुर्मू ने यह बात अंगोला के अपने समकक्ष जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लॉरेन्को के सम्मान में आयोजित भोज के दौरान कही, जो भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर हैं।

राष्ट्रपति ने अफ्रीका में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में अंगोला द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी बयान के अनुसार, मुर्मू ने कहा कि आतंकवाद मानवता के सामने एक संकट बना हुआ है और इसके सभी रूपों की स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के मद्देनजर राष्ट्रपति लॉरेंको की सहानुभूति और समर्थन की मजबूत अभिव्यक्ति की भी सराहना की। इससे पहले दिन में, मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में लॉरेंको का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने अफ्रीकी संघ की अध्यक्षता संभालने के लिए लॉरेंको को बधाई भी दी। मुर्मू ने कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को इस समूह के पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि इस महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मंच पर अब अफ्रीकी आवाज भी सुनी जा रही है।

प्रियंका गांधी तीन दिवसीय दौरे पर वायनाड पहुंचीं

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा अपने लोकसभा क्षेत्र वायनाड के तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार देर रात केरल पहुंचीं। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि प्रियंका अपने पति रॉबर्ट वाद्रा के साथ मलप्पुरम स्थित करीपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरीं और सड़क मार्ग से वायनाड के लिए रवाना हुईं। उन्होंने बताया कि वायनाड जाते समय प्रियंका ने रास्ते में एक सड़क हादसे के शिकार लोगों की मदद के लिए अपना काफिला रोका। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस सांसद ने अपने काफिले में शामिल डॉक्टर से हादसे में घायल लोगों की मदद करने को कहा और उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाने का निर्देश देने के बाद आगे की यात्रा पर निकलीं। पार्टी सूत्रों की ओर से साझा किए गए एक वीडियो के मुताबिक, प्रियंका ने घायलों से बात भी की।

मौसम

अधिकतम तापमान 26.c

न्यूनतम तापमान 11.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 78,271.28

निफ्टी 23,696.30

बारात से लौट रहे लोगों की कार पेड़ से टकरायी, चार की मौत

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

कौशांबी, कौशांबी जिले के पिपरी क्षेत्र में रविवार तड़के बारातियों को लेकर लौट रही एक कार के अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराने से चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पिपरी थाना प्रभारी सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि दुर्घटना तड़के करीब साढ़े तीन बजे गुंगवा का बाग के पास हुई जब कार सवार लोग चायल कस्बे के आंबेडकर नगर इलाके में आयोजित एक शादी समारोह से प्रयागराज जिले के पुरा मुफ्ती क्षेत्र लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि रास्ते में कार के चालक ने एक अन्य वाहन से बचने की कोशिश की और उसकी कार बेकाबू होकर पेड़ से जा टकरायी।

सिंह ने बताया कि राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी पांच लोगों को क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि सभी को कौशांबी के जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उनमें से चार लोगों को मृत घोषित कर दिया।

सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान प्रयागराज जिले के पुरा मुफ्ती निवासी सुनील कुमार पटेल (35), रवि कुमार पटेल (38) और चांद बदन (36) और बलिया जिले के बटेरिया थाना क्षेत्र के निवासी विकास कुमार (38) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इस घटना में कार का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका उपचार किया जा रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का सफल परीक्षण, बढ़ेगी भारत की ताकत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

एयरशिप का पहला उड़ान परीक्षण लगभग 17 किलोमीटर की ऊंचाई पर

नई दिल्ली, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मध्य प्रदेश के श्योपुर परीक्षण स्थल से अपने स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया। परीक्षण करीब 62 मिनट तक चला। इस दौरान इंस्ट्रूमेंटल पेलोड ले जाने वाले एयरशिप ने करीब 17 किलोमीटर की ऊंचाई को छुआ। डीआरडीओ ने एक्स पर लिखा, 'डीआरडीओ ने इंस्ट्रूमेंटल पेलोड के साथ स्ट्रैटोस्फेरिक सफलतापूर्वक किया। हवा से हल्का यह सिस्टम भारत की पृथ्वी अवलोकन और खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं को बढ़ाएगा, जिससे देश दुनिया के उन कुछ देशों में से एक बन जाएगा, जिनके पास ऐसी स्वदेशी क्षमताएं हैं।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई देते हुए कहा कि यह सिस्टम पृथ्वी अवलोकन और खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) में भारत की क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा, जिससे भारत ऐसी स्वदेशी तकनीक वाले चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो जाएगा।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने भी सिस्टम के डिजाइन, विकास और परीक्षण के पीछे की टीम की सराहना की। उन्होंने प्रोटोटाइप उड़ान को हवा से हल्के, उच्च ऊंचाई वाले प्लेटफार्मों के विकास में एक मील का पत्थर बताया जो स्ट्रैटोस्फेरिक ऊंचाइयों पर लंबे समय तक टिके रहने में सक्षम हैं।

संक्षिप्त समाचार

मथुरा में सड़क हादसे में तीन सगे भाइयों समेत चार लोगों की मौत, एक अन्य घायल

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

मथुरा , उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के जैत थाना क्षेत्र में रामताल वृंदावन रोड पर शनिवार शाम एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सगे भाइयों और चालक समेत चार लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार एक तेज रफ्तार कार ने सवारी ऑटो को टक्कर मार दी, जिससे वह पलट गया और इसके बाद सड़क पर घायल पड़े लोगों को पीछे से आ रहे डंपर ने कुचल दिया।

पुलिस के मुताबिक ऑटो चालक के अलावा तीन भाइयों की मौके पर ही मौत हो गयी तथा उनका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सक उसकी जान बचाने के भरसक प्रयास खर रहे हैं। सभी भाई मप्र के इंदौर से एक शादी समारोह में शामिल होनेवृन्दावन पहुंचे थे। पुलिस अधीक्षक (शहर) आरविंद कुमार ने बताया कि गोविंद नगर क्षेत्र के जयसिंहपुरा खादर का निवासी आटो-रिक्शा चालक साबिर (25) तथा इंदौर निवासी सगे भाइयों प्यारे लाल शर्मा (60), हुकुम चंद शर्मा (40) व मुकेश शर्मा (45) तथा उनके चचेरे भाई शिवम शर्मा को प्रेम मंदिर के दर्शन कराकर वापस होटल छोड़ने ले जा रहा था। तभी यह हादसा हुआ और चालक के अलावा तीनों सगे भाइयों की मौत हो गयी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि आटो रिक्शा के टुकड़े सौ मीटर के दायरे मैं फैल गए तथा चालक सहित पांचों सवार भी सड़क पर गिर गए, जिन्हें पीछे से आ रहे एक डंपर ने कुचल दिया। दुर्घटना होते ही कार और डंपर चालक अपने वाहन मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए।

बदरीनाथ मंदिर के कपाट खुले, चारधाम यात्रा पूर्ण रूप से शुरू

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्वप्रसिद्ध बदरीनाथ मंदिर के कपाट छह माह बंद रहने के बाद रविवार सुबह फिर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सुबह छह बजे चमोली जिले में स्थित मंदिर के कपाट वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना के साथ देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में खोल दिए गए। इस मौके पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट तथा टिहरी के विधायक किशोर उपाध्याय भी मौजूद थे। कपाट खुलने के दौरान पूरा वातावरण ढोल-नगाड़ों व सेना के बैंड की मधुर धुन और हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं के जय बदरी विशाल के जयकारों से भक्तिरस से सराबोर हो उठा। इस अवसर पर मंदिर को लगभग 15 टन रंग-बिरंगे और सुगंधित फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था, जिसने मंदिर की सुंदरता में चार चांद लगा दिए। इससे पहले, परंपरानुसार सुबह बदरीनाथ धाम के मुख्य पुजारी रावल, धर्माधिकारी व वेदपाठियों द्वारा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई और फिर विधि विधान से माता लक्ष्मी को गर्भ गृह से निकालकर मंदिर की परिक्रमा करा लक्ष्मी मंदिर में विराजमान किया गया। इसके बाद भगवान कुबेर जी व उद्धव जी को बदरी विशाल मंदिर के गर्भ गृह में विराजित किया गया। तत्पश्चात भगवान बदरी विशाल की चतुर्भुज मूर्ति से घृत कंबल को अलग कर उनका विधिवत अभिषेक (स्नान) करवाया गया और आकर्षक श्रृंगार किया गया। मुख्य मंदिर के साथ ही बदरीनाथ धाम मंदिर परिक्रमा स्थित गणेश, घंटाकर्ण, आदि केदारेश्वर, आदि गुरु शंकराचार्य मंदिर व माता मूर्ति मंदिर के कपाट भी इस यात्रा हेतु श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। मान्यताओं के अनुसार, वर्ष में छह माह (ग्रीष्मकालीन) मनुष्य भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, जबकि बाकी के छह माह (शीतकालीन) यहां देवता स्वयं भगवान विष्णु की आराधना करते हैं, जिसमें मुख्य पुजारी देवर्षि नारद होते हैं। अधिकारियों ने यहां बताया कि स्थानीय प्रशासन ने धाम की यात्रा को सुरक्षित एवं निर्बाध बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। प्रशासन ने दर्शन के लिए पहुंचे सभी श्रद्धालुओं से व्यवस्थित रूप से कतारबद्ध रहकर शांतिपूर्ण ढंग से श्रीहरि के दर्शन करने की अपील की है। बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही इस साल की चारधाम यात्रा पूर्ण रूप से शुरू हो गयी है। उत्तराखंड के चार धामों में शामिल तीन अन्य धाम-गंगोत्री, यमुनोत्री तथा केदारनाथ पहले ही खुल चुके हैं।

लखनऊ की एक बेकरी में आग लगने से दो लोगों की मौत

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के गंगानगर अमौसी में स्थित एक बेकरी में शनिवार को आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस की ओर से जारी बयान के अनुसार आग लगने की सूचना लगभग अपराह्न 4:30 बजे मिली। स्थानीय पुलिस की टीम ने दमकल की गाड़ियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) अमित कुमावत ने बताया, फैक्ट्री मालिक अखिलेश के बेटे ऋतिक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को बताया कि फैक्ट्री में बेकरी का काम होता था, लेकिन यह करीब एक साल से बंद थी। हालांकि, आग लगने के समय वेल्डिंग का काम चल रहा था। स्थानीय पुलिस थाने की टीम और दमकल विभाग की 15 से 16 गाड़ियों के प्रयासों से शाम करीब सात बजे आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया, अंदर फंसे दो लोगों को निकाला गया और उन्हें इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

700 फुट गहरी खाई में गिरा सेना का वाहन, 3 जवानों की मौत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बैटरी चश्मा के पास सुबह करीब साढ़े 11 बजे सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर 700 फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में सेना के तीन जवानों की मौत हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर हुई इस घटना की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले में शामिल सेना का ट्रक नियंत्रण खो बैठा और खाई में गिर गया। पीटीआई के अनुसार, मृतकों की पहचान सिपाही अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है। उनके शव खाई से निकाले जा रहे हैं। सेना, पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से तत्काल संयुक्त बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारण वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

हाल ही में कई ऐसी ही दुर्घटनाएं हुई हैं

मार्च में इसी तरह की एक घटना में, ताजी सब्जियां ले जा रहा एक लोड कैरियर सड़क से फिसलकर रामबन जिले में गहरी खाई में गिर गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जैसा कि पीटीआई ने बताया, एक पुलिस अधिकारी ने बताया। पीड़ित, चालक अर्शीद अहमद और उनके सहायक सेवा सिंह - दोनों की उम्र 30 के आसपास थी - अपने गांव उखराल पोगल-परिस्तान लौट रहे थे, जब जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैटरी चश्मा के पास दुर्घटना हुई। मार्च में एक अन्य घटना में, अधिकारियों ने कहा कि रियासी जिले में एक वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरने से चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। दुर्घटना गंगोडे इलाके में हुई जब चालक ने कथित तौर पर टेम्पो ट्रैवलर पर नियंत्रण खो दिया, जिससे वह खाई में गिर गया।

राहुल गांधी ने अमेरिका में भगवान राम पर की टिप्पणी, हमलावर हुई भाजपा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर बीजेपी के निशाने पर हैं। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक अमेरिकी यूनिवर्सिटी में बातचीत के दौरान भगवान राम को 'पौराणिक व्यक्ति' कहा। राहुल की इस टिप्पणी पर अब विवाद खड़ा हो गया है। बीजेपी ने उनकी मानसिकता को हिंदू विरोधी बताते हुए उन्हें राम विरोधी भी कहा है।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

ब्राउन यूनिवर्सिटी के वॉटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में राहुल गांधी ने भगवान राम पर टिप्पणी की। दरअसल, राहुल से पूछा गया था कि हिंदू राष्ट्रवाद के दौर में सभी समुदायों को शामिल करने वाली धर्मनिरपेक्ष राजनीति कैसे तैयार की जानी चाहिए? इसके जवाब में राहुल ने कहा कि भारत में कोई भी बड़ा समाज सुधारक और राजनीतिक विचारक कट्टर नहीं रहा है और उन्होंने कहा कि वह बीजेपी के हिंदू विचार को नहीं मानते हैं।

उन्होंने कहा, 'हमारे सभी पौराणिक चरित्र, भगवान राम ऐसे ही थे। वह क्षमाशील थे, वह दयालु थे। मैं भाजपा द्वारा कही गई बातों को हिंदू विचार नहीं मानता। मैं हिंदू विचार को बहुत अधिक बहुलवादी, बहुत अधिक गले लगाने वाला, बहुत अधिक स्नेही, बहुत अधिक सहिष्णु और खुला मानता हूं। हर राज्य और समुदाय में ऐसे लोग हैं जो उन विचारों के लिए खड़े हुए, उन विचारों के लिए जिए और उन विचारों के लिए मरे। गांधीजी उनमें से एक हैं। मेरे लिए, लोगों के प्रति घृणा और गुस्सा डर से आता है। अगर आप डरे हुए नहीं हैं, तो आप किसी से नफरत नहीं करते।'

गांधी ने आगे कहा, 'मैं भाजपा की अवधारणा को हिंदू अवधारणा के रूप में नहीं देखता। सोच के मामले में, वे एक फ्रिंज ग्रुप हैं, अब उन्होंने राजनीतिक सत्ता पर कब्जा कर लिया है, उनके पास बहुत सारा धन और शक्ति है, लेकिन वे किसी भी तरह से भारतीय विचारकों के बड़े बहुमत का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।'

भाजपा ने राहुल पर साधा निशाना

सोशल मीडिया पर राहुल गांधी की इस बातचीत की क्लिप साझा करते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने उनपर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'हिंदुओं और भगवान राम का अपमान करना कांग्रेस पार्टी की पहचान बन गई है। जिन लोगों ने हलफनामे के जरिए भगवान राम के अस्तित्व को नकार दिया, राम मंदिर निर्माण का विरोध किया, 'हिंदू आतंक' का मुहावरा गढ़ा, अब उन्होंने राहुल गांधी को 'पौराणिक' बताया है। राहुल गांधी और सोनिया गांधी राम मंदिर के अभिषेक में शामिल नहीं हुए। यह उनकी राम-विरोधी और हिंदू-विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं, सेना के मनोबल को ठेस पहुँचाते हैं। वे राम-विरोधी और भारत-विरोधी हैं और लोग इसे माफ नहीं करेंगे।'

पुलिस ने अवैध गांजा कारोबारी को धर दबोचा, भेजा जेल

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर पुलिस ने शनिवार देर शाम मुखबिर की सूचना पर एक अवैध गांजा कारोबारी को धर दबोचा। पुलिस ने उसके पास से काफी मात्रा में अवैध गांजा बरामद कर उसे जेल भेज दिया है। बिजनौर प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राणा के मुताबिक शनिवार शाम उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि मौलवी खेड़ा से इठुरिया जाने वाली सड़क के दाहिने तरफ नाले के पास बनी झोपड़ी के अंदर एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति काली पालीथीन में गांजा लिए आने जाने वाले ग्राहकों को बेच रहा है। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने उसे मौके से धर दबोचा। पुलिस ने उसके पास से तलाशी के दौरान 570 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम कृष्णा नगर के आजाद नगर निवासी दशरथ पाल बताया। फिलहाल पुलिस ने बरामद गांजा अपने कब्जे में लेने के साथ ही पकड़े गए दशरथ पाल को गिरफ्तार कर रविवार को उसे जेल भेज दिया है।

अग्निकांड के दोनों मृतकों के परिजनों को सरकार की ओर से मिलेंगे चार-चार लाख रुपये

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर में शनिवार शाम हुए अग्निकांड के दोनों मृतकों के परिजनों को सरकार की ओर से चार-चार लाख रुपये आर्थिक मदद के रूप में दिए जाएंगे। उधर दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम होने के बाद रविवार को उनके शव परिजनों को सौंप दिए गए। जहां फैक्ट्री मालिक अखिलेश कुमार का आलमबाग के वीआईपी रोड स्थित शव दाह ग्रह में अंतिम संस्कार कर दिया गया। जबकि मजदूर अबरार के परिजन शव लेकर अपने मूल गांव बहराइच चले गए। उधर स्वीटी फूड्स कंपनी में शनिवार देर रात फिर आग दहक उठी। जिसकी वजह से रात करीब 2 बजे एक दमकल गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। यहां दमकल गाड़ी को सुबह फिर पहुंचना पड़ा। क्योंकि रविवार सुबह करीब 7 बजे फिर फैक्ट्री से धुआं उठता नजर आया। आसपास के लोगों से सूचना पाकर पहुंची दमकल गाड़ी ने आग को काबू किया। बताते चलें कि आलमबाग के मवैया निवासी अखिलेश कुमार की सरोजनी नगर के अमौसी स्थित गंगानगर में स्वीटी फूड्स नामक केक, ब्रेड, रस आदि बनाने की कंपनी में शनिवार शाम करीब 4:30 बजे जब मजदूर काम कर रहे थे। तभी वेल्डिंग की चिंगारी से आग लग गई थी। इस हादसे में कंपनी मालिक अखिलेश कुमार और बहराइच के नानपारा निवासी व वर्तमान में सरोजनी नगर के जयराज पूरी कॉलोनी में रहने वाले केक कारीगर अबरार की कंपनी के अंदर फंसकर आग में जलकर दर्दनाक मौत हो गई थी। नाम न छापने की शर्त पर आसपास के लोगों ने बताया कि घटना के दौरान फैक्ट्री मालिक अखिलेश और अबरार के अलावा तीन अन्य मजदूर भी कंपनी की दूसरी मंजिल पर बुरी तरह फंस गए थे। लेकिन आग का भयावह रूप देख तीनों आनन फानन सीढ़ी लगाकर पीछे उतरे और अपनी जान बचाई। उधर सरोजनी नगर एसडीएम सचिन वर्मा ने बताया कि दोनों मृतकों के परिवार को सरकार की ओर से चार-चार लाख रुपए आर्थिक मदद देने की घोषणा हुई है, जो जल्द ही मृतकों के परिजनों को सौंप दी जाएगी। एसडीएम का कहना है कि इस घटना की उच्च स्तरीय जांच की जा रही है। जाँच पूरी होने के बाद जल्द ही इसकी रिपोर्ट शासन को सौंप दी जाएगी। वहीं आसपास के लोगों का कहना है कि ऐसी किसी भी फैक्ट्री को आवासीय क्षेत्र में नहीं होना चाहिए। शनिवार को हुई घटना के दौरान अगर जरा सी भी लापरवाही हुई होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। उनकी माने तो पिछले करीब 18 वर्षों से चल रही इस कंपनी में केवल रस और ब्रेड बन रहे थे। लेकिन अब इसमें रस और ब्रेड का काम बंद कर पिज्जा और केक आदि बनाने की तैयारी चल रही थी।

मानसिक तनाव प्रबंधन एवं चिकित्सक सहयोग विषय पर सेमिनार का सफल आयोजन

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। विश्व आयुर्वेद परिषद एवं भारत आयोग फाउंडेशन के तकनीकी सहयोग से लखनऊ स्थित भूमि सिटी अस्पताल में रविवार, 4 मई 2025 को ₹मानसिक तनाव प्रबंधन एवं चिकित्सकीय सहयोग₹ विषय पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री अरुण कुमार गुप्ता 'शक्तिपुत्र', आर.आर. इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज के निदेशक, एवं विशेष अतिथि पूनम आरती सिंह, एच.ओ.डी. डिपार्टमेंट ऑफ फामेर्सी रीजेंसी कॉलेज, डॉ. उमा रस्तोगी, प्रख्यात हॉस्पिटल की मेडिकल डायरेक्टर एवं सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उपस्थित रहीं।कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. सत्यप्रकाश मिश्रा, डॉ. गिरीश शर्मा, डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. संदीप मिश्रा, डॉ. रमेश सुलभ, डॉ. धर्मेंद्र सिंह एवं डॉ. स्वप्निल को उनके चिकित्सकीय-शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सकों का प्रेरणास्त्रोत अनुभव डॉ. सत्यप्रकाश मिश्रा को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने मानसिक तनाव की जटिलताओं, उसके दुष्प्रभाव एवं चिकित्सा पद्धतियों द्वारा समाधान पर विस्तार से प्रकाश डाला।आयोजन में प्रमुख योगदान डॉ. अरुण कुमार सिंह (सीनियर वैज्ञानिक) एवं डॉ. अरुण कुमार (पूर्व हेड हार्ट डिपार्टमेंट) की उल्लेखनीय भूमिका रही कार्यक्रम का समापन सामूहिक फोटो सत्र एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

किशोरी से छेड़छाड़, विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी.....

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।नगराम थाना क्षेत्र के ग्राम बहरोली में एक 15 वर्षीय किशोरी से छेड़छाड़ का सनसनीखेज मामला सामने आया है आरोप है कि पड़ोसी युवक ने किशोरी को बहाने से घर बुलाकर जबरन पकड़ा और दरवाजा बंद कर उसके साथ अश्लील हरकत करने की कोशिश की विरोध करने पर आरोपी ने किशोरी का मुंह दबा दिया और जान से मारने की धमकी दी पीड़िता की मां राजकुमारी पत्नी स्व. राजेश निवासी ग्राम बहरोली ने थाना नगराम में दी गई तहरीर में बताया कि 3 मई को दोपहर करीब 11 बजे उसकी पुत्री स्वेता अपनी चाची सुधा के घर से टीवी देखकर वापस लौट रही थी इसी दौरान पड़ोसी आलोक उर्फ सिद्धार्थ पुत्र गंगासागर मिश्र ने उसे अपने घर बुलाकर कहा कि घर की चारपाई पकड़कर अंदर रखवा दे। जब स्वेता चारपाई रखने अंदर गई, तभी आलोक ने उसे गलत नीयत से पकड़ लिया और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया।

नगराम थाना क्षेत्र के बहरोली गांव की घटना, पीड़िता ने आरोपी की पहचान पड़ोसी के रूप में की

शिकायत के अनुसार, जब किशोरी ने शोर मचाया तो आलोक ने उसका मुंह दबा दिया किसी तरह खुद को छुड़ाकर वह वहां से भागी और घर आकर परिजनों को जानकारी दी पीड़िता के परिजनों के अनुसार, जब उन्होंने विरोध किया तो आलोक और उसके पिता गंगासागर ने गाली-गलौज की और पूरे परिवार को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत करायापीड़िता की मां ने इस संबंध में थाना नगराम में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के विरुद्ध उचित धाराओं में केस दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

बैखौफ जालसाजों का खेल रिटायर्ड आईटीआई अधिकारी की करोड़ों की जमीन हड़पी

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज तहसील के उपनिबंधक कार्यालय में सक्रिय जालसाजों का दुस्साहस इस कदर बढ़ गया है कि अब वे रिटायर्ड सरकारी अधिकारियों की जमीन भी निशाना बना रहे हैं वही मामला आईटीआई के एक सेवानिवृत्त अधिकारी से जुड़ा है जिनकी करोड़ों रुपये मूल्य की करीब डेढ़ बीघा जमीन को फजीवाड़े के जरिए हड़प लिया गया प्राप्त जानकारी के अनुसार जालसाजों ने फर्जी किसान खड़ा कर उक्त जमीन की रजिस्ट्री करवा दी इतना ही नहीं, इसी गिरोह ने पहले भी चार बीघे जमीन को इसी तरीके से फर्जी रजिस्ट्री करवा दिया था दोनों ही मामलों में मास्टरमाइंड एक ही बताया जा रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों ही रजिस्ट्री जावित्री हॉस्पिटल के मालिक डॉ. ईषा त्यागी के नाम पर की गई हैं पीड़ित रिटायर्ड अधिकारी का आरोप है कि यह पूरी साजिश डॉ. ईषा त्यागी ने जालसाजों के साथ मिलकर रची पीड़ित का कहना है कि उनकी दूसरी डेढ़ बीघा जमीन भी महज दस लाख रुपये में रजिस्टर्ड करवा ली गई जबकि उसकी बाजार कीमत करोड़ों में है।रजिस्ट्री प्रक्रिया में जालसाजों ने पीड़ित के फर्जी बैंक खाते, आधार कार्ड और पैन कार्ड का इस्तेमाल कर लिया अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि रजिस्ट्री में जो पैसा दशार्या गया, वह वास्तव में किस खाते में गया पीड़ित का यह भी दावा है कि डॉ. ईषा त्यागी ने मोहनलालगंज क्षेत्र में बड़ी मात्रा में जमीनें खरीदी हैं, जिनमें कई पर संदेहास्पद तरीके से कब्जा किया गया है अब पीड़ित अधिकारी ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि मामले की जांच के लिए एक टीम गठित कर दी गयी है उक्त शिकायत पत्र के आधर पर दस्तावेजों की जांच करवाई जा रही है जांच के बाद उक्त लोगो पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जाएगा। फिलहाल इस मामले ने स्थानीय प्रशासन और आम नागरिकों के बीच चिंता की लहर बन गयी है।

विकसित भारत के लिए आवश्यक एक देश एक चुनाव : रामनिवास यादव

अमन लेखनी समाचार

प्रेस वार्ता करते पूर्व जिलाध्यक्ष व अन्य

लखनऊ।एक देश एक चुनाव को लेकर राष्ट्रीय अन्नदाता किसान यूनियन अध्यक्ष व पूर्व जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने रविवार को आम्रपाली वाटर पार्क के पास पत्रकारों के साथ की प्रेसवार्ता। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर प्रत्येक नागरिक को प्रभावित करने वाला विषय है. उन्होंने बताया कि बार-बार के चुनावों से देश को आर्थिक और प्रशासनिक नुकसान उठाना पड़ता है, इसलिए नागरिकों को एक राष्ट्र, एक चुनाव की आवश्यकता को समझना चाहिए. वन नेशन वन इलेक्शन के फायदे भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष ने इस व्यवस्था के लाभ पर जोर देते हुए कहा कि इससे भ्रष्टाचार और महंगाई पर रोक लगेगी. बार-बार की आचार संहिता सरकारी तंत्र को प्रभावित करती है, जिससे आम जनता को असुविधा होती है. इसके अलावा, एक राज्य में चुनाव होने पर दूसरे राज्यों पर भी प्रभाव पड़ता है, जिसे समाप्त करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन जैसी व्यवस्था कई विकसित देशों में पहले से लागू है. यदि भारत तृतीय अर्थव्यवस्था बनना चाहता है, तो इसे अपनाना ही पड़ेगा. उन्होंने कहा कि विजन 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह प्रणाली सहायक साबित हो सकती है. समाज को बांटने वाली ताकतों पर लगेगा अंकुशः चुनाव के दौरान राजनीतिक दल समाज को विभाजित करने वाले मुद्दों को उठाते हैं, जिसका असर चुनाव के बाद भी बना रहता है. वन नेशन वन इलेक्शन से ऐसे मुद्दों को बार-बार उठाने का अवसर नहीं मिलेगा, जिससे सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि बार-बार की आचार संहिता से विश्वविद्यालयों के कार्य भी बाधित होते हैं। इस मौके पर किसान अन्नदाता जिला अध्यक्ष लवकुश, महामंत्री संतोष सिंह, जिला उपाध्यक्ष भैया लाल, सियाराम कश्यप, रामसेवक गौतम, लाल बहादुर सहित तमाम भाजपा व राष्ट्रीय किसान यूनियन अन्नदाता के लोग मौजूद रहे।

ट्रैक्टर की टक्कर से गंभीर रूप से घायल युवक

पुलिस कार्रवाई से नाराज परिजनों ने की मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।नगराम थाना क्षेत्र के अंतर्गत आरा मशीन के निकट दो सप्ताह पूर्व हुए सड़क हादसे में घायल युवक का अब भी इलाज जारी है इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए युवक के परिजनों ने नगराम पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है पीड़ित पक्ष का कहना है कि पुलिस द्वारा तहरीर दिए जाने के बावजूद अभी तक न तो कोई कार्रवाई की गई है और न ही जांच-पड़ताल की गई।घटना 18 अप्रैल की है, जब अमवा मुर्तजा गांव निवासी दीपक कुमार अपनी मोटरसाइकिल से नगराम से घर लौट रहे थे रास्ते में आरा मशीन के पास तेज रफ्तार में आ रहे एक पावर ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। ट्रैक्टर भजा खेड़ा मजरा नबी नगर निवासी धर्मेंद्र कुमार चला रहा था। परिजनों का आरोप है कि चालक ट्रैक्टर को लापरवाहीपूर्वक चला रहा था, जिससे यह हादसा हुआ।टक्कर इतनी भीषण थी कि दीपक कुमार छिटक कर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। यह पूरी घटना वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।हादसे के बाद आरोपी चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर नगराम पुलिस मौके पर पहुंची और घायल दीपक को निकटवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, जहां से उन्हें गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। वहां भी स्थिति गंभीर बनी रहने पर पीड़िता सुमन देवी ने अपने पति को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है।दीपक की पत्नी सुमन ने बताया कि उन्होंने तत्काल नगराम थाने में हादसे की तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने न तो मौके की जांच की और न ही आरोपी चालक के खिलाफ कोई कदम उठाया।परिवार की ओर से इस मामले में मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई गई है। पीड़िता का कहना है कि उन्हें केवल न्याय चाहिए और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

रालोद राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे का हुआ भव्य स्वागत

अमन लेखनी समाचार

गोंडा 05 मई । राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय महासचिव एक सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने बालेश्वरगंज गोंडा पहुंचे, उनका बागेश्वरगंज में पार्टी कार्यकर्ताओ नौजवानों और अधिवक्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया । इस अवसर पर पार्टी जनों को संबोधित करते हुए श्री दुबे ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती से राष्ट्रीय लोक दल का सदस्यता अभियान शुरू किया गया है जो अगले 6 माह तक चलेगा इसके बाद पार्टी के संगठनात्मक चुनाव होंगे।उन्होंने पार्टी जनों से गांव-गांव नगर नगर जाकर पार्टी का सदस्यता अभियान तेज करने को कहा, उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी हर वर्ग के लोगों के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं और उनके निर्देशन में पूरे उत्तर प्रदेश में भाईचारे के माहौल को बनाने के लिए काम किया जा रहा है, राष्ट्रीय लोकदल किसानों, नौजवानों, अल्पसंख्यकों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को न्याय दिलाने के लिए अपना अभियान जारी रखेगा । रालोद राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा की गई घृणित करवाई की निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादियों को सरकार ऐसा सबक सिखाएगी जो भविष्य के लिए नजीर बन जाएगा और आतंकवादियों के सात पुश्तों तक कोई आतंकवाद के बारे में सोचेगा भी नहीं । इस अवसर पर पूर्व प्रधान संजय पांडे, प्रखर पांडे, सजल पांडे, अतुल कुमार, प्रदीप कुमार, वीरेंद्र सिंह, अजय सिंह, एडवोकेट अरुण शुक्ला, संजय त्रिपाठी, ननकनु सिंह, गुड्डू गुप्ता, रिजवान अली सहित सैकड़ो लोग उपस्थित है उन्होंने आगामी 6 मई को राष्ट्रीय लोकदल के संस्थापक पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि मनाने को भी कहा।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

शराब ठेके के पास खड़ी थी बाइक, शरीर पर चोट के निशान नहीं

अमन लेखनी समाचार

मृतक राजकुमार फाइल - फोटो

लखनऊ। बीती रात नौकरी पर जाने की बात कहकर निकला युवक संदिग्ध परिस्थितियों में अचेत अवस्था में सड़क के किनारे पड़ा मिला। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसे सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मिली जानकारी के अनुसार मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम फिरोजपुर निवासी राजकुमार (36) बीते शनिवार शाम करीब साढ़े पांच बजे घर से थाना माल के राजगढ़ ससुराल में बाग में नौकरी पर जाने की बात कह कर घर से निकाला था। वहीं देर रात मलिहाबाद माल रोड पर पेट्रोल पंप के सामने संदिग्ध परिस्थितियों में अचेत अवस्था में सड़क के किनारे पड़ा मिला. सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसे मलिहाबाद सामुदायिक केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों उसे मृत घोषित किया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की बाइक हरदोई लखनऊ राजमार्ग के किनारे स्थित शराब ठेके के पास खड़ी थी। बताया जा रहा मृतक शराब पीने का आदि था। मृतक के परिवार में पत्नी रजनी दो बच्चे सनाया 5 वर्ष, शिवांश 3 वर्ष है, जिनका रो-रो कर बुरा हाल है। रविवार को शव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया,

शाम होते ही परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। इस संबंध में मलिहाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं थे शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

पेट्रोलियम तेल के अवैध कारोबार का भण्डा फोड़

पेट्रोल भरे ट्रक टैंकर सहित भारी मात्रा में केमिकल भरे ड्रम बरामद

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर पुलिस ने बीती रात मुखबिर की सूचना पर आबकारी विभाग और खाद्य एवं रसद विभाग की संयुक्त टीम के साथ इलाके में छापा मार कर पेट्रोलियम तेल के अवैध कारोबार का भण्डा फोड़ किया है। टीम ने मौके से पेट्रोल भरे एक ट्रक टैंकर सहित भारी मात्रा में केमिकल भरे ड्रम व अन्य सामान बरामद किया है। साथ ही टीम ने मौके से पांच अवैध कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। जबकि उनके दो साथी भागने में सफल रहे। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। सरोजनी नगर प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम प्रजापति के मुताबिक शनिवार रात वह अपने हमराही सिपाहियों के साथ गस्त पर थे। तभी सर्विलांस सेल पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के प्रभारी उप निरीक्षक अंकित कुमार द्वारा फोन पर उन्हें सूचना दी गई कि थाना क्षेत्र में टीएस मिश्रा अस्पताल के पास अनौरा रोड पर बाएं तरफ जंगल में कुछ लोग पेट्रोल और केमिकल चोरी कर अवैध रूप से मिलावट कर रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां पहले से सर्विलांस टीम मौजूद थी। तभी आबकारी निरीक्षक राहुल कुमार सिंह को मामले से अवगत करते हुए उन्हें भी टीम के साथ बुलाया गया। साथ ही खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों को भी जानकारी देकर बुलाया गया। बाद में संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध कारोबारियों को पकड़ने की कोशिश की गई, तो पुलिस टीम को देख 6 - 7 लोग जंगल की तरफ भागने लगे। लेकिन टीम ने दौड़ाकर उनमें से पांच लोगों को मौके पर धर दबोचा। जबकि अंधेरे का फायदा उठाते हुए दो व्यक्ति जंगल की ओर भाग निकले। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पकड़े गए युवकों से पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना नाम अनौरा के अजय यादव, ओम प्रकाश यादव, यहीं के आजाद नगर निवासी मिराजुद्दीन, यहां शुभम पैलेस के पास श्री राम के मकान में किराए पर रहने वाले जौनपुर के सरपतहा थाना अंतर्गत वासु पुर निवासी जगदीप प्रजापति और सरोजनी नगर के ही अनौरा निवासी अरुण कुमार बताया। पूछताछ में सभी ने बताया कि वह एचपीसीएल डिपो से बिक्री के लिए जाने वाले टैंकर से पेट्रोल निकाल कर ड्रम में भर लेते हैं और इसके बदले उन्नाव की तरफ से केमिकल खरीद कर लाते हैं, जिसे निकाले गए पेट्रोल की जगह टैंकर में पलटी कर देते हैं। बाद में निकला हुआ पेट्रोल काकोरी क्षेत्र में बेच देते हैं। इससे उनकी अच्छी खासी कमाई हो जाती है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ करने पर ओमप्रकाश ने बताया कि यह काम वह अपने साथियों के साथ मिलकर काफी दिनों से कर रहा है। उसने बताया कि जुलाई 2024 में पहले भी ऐसे ही प्रकरण में वह पकड़ा जा चुका है। बताया कि उसका गोदाम नादरगंज में है, जिसमें वह पहले ही खरीद कर केमिकल रख लेता है और मौका मिलने पर इसी प्रकार पेट्रोल डीजल की चोरी कर टैंकरों में स्पिरिट मिला देता है। बाद में पुलिस ने उसके बताए गए गोदाम पर पहुंचकर वहां से भी भारी मात्रा में डीजल व पेट्रोल से भरे और खाली कई ड्रम बरामद किए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि टैंकर का चालक, पकड़े गए और फरार व्यक्तियों के साथ उनके एजेंट के रूप में संगठित होकर षड्यंत्र के तहत उपरोक्त कृत्य किया जा रहा था। फिलहाल पुलिस ने पकड़े गए पाँचों युवकों को गिरफ्तार कर लिया और उनसे पूछताछ कर रही है। वहीं पुलिस ने मौके से बरामद केमिकल भरे 200 लीटर वाले 38 ड्रम, पेट्रोल से भरा एक ड्रम, एक जनरेटर एक मोटर युक्त फिलर मशीन के अलावा उक्त टैंकर (सीजी 10 बीएस7183) सहित एक स्कॉर्पियो, एक महिंद्रा पिकअप और एक सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल अपने कब्जे में ले ली है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि फरार अभियुक्तों में एक व्यक्ति टैंकर का चालक आजमगढ़ के फूलपुर अमभारी निवासी सोनू बिन्द और दूसरा व्यक्ति बरामद सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल का चालक है। उन्होंने बताया कि टैंकर की तलाशी लेने पर उसके केबिन से एक फाइल बरामद हुई। चेक करने पर टैंकर में भरे ब्लैन्डेड पेट्रोल से संबंधित दो सेल्स इन्वॉयस की चार-चार प्रतियां बरामद हुई। जिसके अनुसार टैंकर में कुल 20000 लीटर ब्लैन्डेड पेट्रोल भरा हुआ है। उन्होंने बताया कि फाइल से बरामद ट्रांसपोर्ट डिपार्मेंट छत्तीसगढ़ परमिट रसीद के अनुसार वाहन स्वामी का नाम शिव प्रकाश गुप्ता, निवासी राजेंद्र नगर सिद्धिविनायक हाइट बिलासपुर छत्तीसगढ़ पाया गया। फिलहाल आगे की करवाई की जा रही है। साथ ही बरामद केमिकल की जांच के लिए उनके नमूने प्रयोगशाला को भेज दिए गए हैं। उधर पूर्ति विभाग द्वारा अलग से कार्रवाई की जा रही है।

लखनऊ में अपराधियों की खैर नहीं लूट के मामलों में लिप्त पाँच शातिर पकड़े गए

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।राजधानी में अपराध की काली दुनिया में दहशत फैलाने वाले पाँच दुर्दांत अपराधी आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ ही गए नगराम थाना क्षेत्र में सक्रिय ये अपराधी एक बड़ी वारदात की साजिश रचने की फिराक में थे लेकिन सतर्क पुलिस ने समय रहते इन्हें धर दबोचा ये सभी पहले भी लूट, मारपीट और अवैध हथियारों के मामलों में जेल जा चुके है वही नगराम पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ पुराने अपराधी इलाके में इकट्ठा होकर किसी संगीन वारदात की योजना बना रहे हैं थाना प्रभारी की अगुवाई में एक टीम तत्काल मौके पर पहुंची और चारों ओर से घेराबंदी कर इन बदमाशों को रंगे हाथों पकड़ लिया। वही नगराम थानाध्यक्ष विवेक चौधरी ने बताया कि अपराधियों की पहचान अंकुश वर्मा पुत्र राजकुमार पर लूट चोरी और आर्म्स एक्ट के तहत चार से अधिक मामले थाना नगराम लोकबंधु और मोहनलालगंज में दर्ज हैं व अवधेश पुत्र श्रीराम धारा 394/411 के तहत नगराम थाने में लूट का मामला दर्ज है वही अमर पुत्र रामसूख गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज व अर्जुन पुत्र फकीरी पर लूट और अवैध हथियार रखने का आरोपी है वह पांचवे अपराधी अशोक कुमार पुत्र राजाराम पर भी कई मामलों में मुकदमे दर्ज है।।एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि उनके द्वारा ग्राम सुरक्षा समिति का अभियान चलाया गया जिसमें गठित टीम ने संलिप्तता कर्मठ से निभाई बड़ी भूमिका जिसकी निगरानी थानाध्यक्ष नगराम विवेक चौधरी व गठित टीम में उपनिरीक्षक संजय सिंह, रजनेश सिंह, रंजीत कुमार, महिला कांस्टेबल अंशुमान देवी, हेड कांस्टेबल नाज मोहम्मद और कांस्टेबल संजय चौहान की सक्रियता और साहसिक भूमिका सराहनीय कार्य किया जिससे उक्त बड़ी घटना को अंजाम देने वाले गिरोह को पकड़ कर जेल भेजा।

संक्षेप

शादी करके दुल्हन को लेकर घर लौटे आरोपी दूल्हे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म मामले में गैंगस्टर एक्ट के तहत वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी रोशन मुंबई में शादी करके अपनी नई दुल्हन के साथ गांव घोंघी रौतापुर लौटा था। घर पहुंचते ही पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी से शादी का माहौल मातम में बदल गया। लाल जोड़े में नवविवाहिता कोतवाली पहुंची। उसने पुलिस से अपनी व्यथा साझा की। पुलिस ने कहा कि कानूनी कार्रवाई में कोई छूट नहीं दी जा सकती। मामले में नन्हा उर्फ नीरज, विशाल निषाद, रोशन और स्वदेश उर्फ सुदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। नीरज को गैंग का सरगना माना जा रहा है। एसपी के निर्देश पर चलाए गए अभियान में जाजमऊ चौकी इंचार्ज विनय कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पुलिस ने विशाल निषाद, रोशन और स्वदेश उर्फ सुदेश को गिरफ्तार किया। कोतवाली प्रभारी पी के मिश्रा के अनुसार, तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

डंपर को ओवरटेक करने में पेट्रोल टैंकर पलटा, लगा लंबा जाम

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। संडीला मार्ग पर शनिवार देर रात डंपर के ओवरटेक करने के दौरान तेज रफ्तार पेट्रोल भरा टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया. टैंकर के पलटते ही उसमें भर पेट्रोल का रिसाव होने लगा.हालांकि हादसे मैं टैंकर चालक बाल बाल बच गया. मऊ जिले के गोहाना क्षेत्र के बंदी कला निवासी टैंकर चालक कृष्णकांत यादव टैंकर के के में लगभग 20000 लीटर पेट्रोल लेकर कानपुर से बांगरमऊ क्षेत्र में बांगरमऊ संडीला मार्ग स्थित एस दयाल फिलिंग स्टेशन पर पेट्रोल उतारने जा रहा था. शनिवार राती लगभग 12:00 बजे जैसे ही टैंकर बांगरमऊ संडीला मार्ग पर काजीपुर के पास पहुंचा तभी डंपर ने टैंकर को ओवरटेक कर दिया. जिससे तेज रफ्तार टैंकर अनियंत्रित होकर भी सड़क पर पलट गया. चालक ने बताया कि चार कान में लगभग 20000 लीटर पेट्रोल भरा था जिसमें लगभग दो कैन से 10000 लीटर का रिसाव हो गया है। आज रविवार सुबह लगभग 9:30 बजे क्रेन बुलवाई गई और टैंकर हटाने का प्रयास किया जा रहा है। रात से ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच मौजूद है हादसे के बाद सड़क के दोनों और लगभग 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

महंगी फीस नहीं है सफलता की कुंजी, परिषद में बच्चों को दें पढ़ने का अवसर

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। ग्रामीणों का दर्द छलका और जुबान सख्त हो गई जब औरास के रामपुर गढ़ौवा में शिक्षकों ने परिषद के सैकड़ों होनहार बच्चों को लेकर गांव में स्कूल चलो जागरूकता अभियान की रैली के साथ प्रवेश किया। बेसिक के बच्चों के मुस्कुराते और रोमांचित चेहरे देखकर सभी हतप्रभ रहे। शिक्षक शिक्षिकाओं ने घर घर जाकर प्रत्येक ग्रामीण से उनके बच्चों के नामांकन संबंधी जानकारी जुटाई। कुछ अभिभावकों ने तो यहां तक बताया कि महीने भर पेट काटकर बच्चे का नाम प्राइवेट में लिखवाया लेकिन हालात और शिक्षा पहले से भी बदतर रही। कुछ बोले कि तीन महीने की फीस जमा करवा लेने के बाद अचानक जानकारी मिली कि स्कूल की मान्यता ही नहीं, अब ऐसे में गांव का मजदूर और किसान क्या ही करे। जिन अभिभावकों के बच्चे परिषद में नामांकित हैं उन्होंने विद्यालयों में बच्चो को मिलने वाली शिक्षा और सरकारी व्यवस्थाओं पर खुशी जाहिर की। एक अभिभावक ने कहा कि फसल इस बार अच्छी नहीं हुई इसलिए कॉपियां खरीदने में समस्या है लेकिन बच्चे को किताब मुफ्त में मिली इससे चिंता कम हुई, वहीं साथ में प्राइवेट विद्यालयों जा रहे दूसरे बच्चे को अभी तक किताबें भी न खरीद पाने पर दुखी हो गया। शिक्षकों ने आस पास चल रहे प्राइवेट विद्यालयों की हकीकत से भी ग्रामीणों को परिचित करवाया। अप्रशिक्षित व्यक्तियों को अध्यापक बनाकर बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किए जाने पर चिंता व्यक्त की। बहुत से विद्यालयों की मान्यता की जांच होने पर फर्जी चल रहे विद्यालयों को नोटिस दिए जाने की भी जानकारी शिक्षक प्रदीप वर्मा ने ग्रामीणों को दी। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय दोनों के ही बच्चों ने स्कूल चलें हम, गीत पर अपनी प्रस्तुति देते हुए परिषद के विद्यालयों में म रही सुविधाओं से सभी को परिचित करवाया। बच्चों को जल्द ही परिषदीय विद्यालयों में नाम लिखवाकर उनके भविष्य सुधार पर चर्चा की। लड़कों की पढ़ाई पर ध्यान न देने और बेटियों के लिए अच्छा घर तलाशने पर शिक्षक ने ग्रामीणों से प्रश्न किया, पढ़ाई को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए शिक्षक ने कमजोर बुनियाद पर ऊंचे मकान नहीं बनते, की बात कही। रैली में शिक्षक डॉ प्रदीप कुमार वर्मा के साथ शशि देवी, शाहे खुबा, रमनजीत, आरती आदि रहे।

सत्रह मेधावी छात्र छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर किया गया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। इण्टरमीडिएट व हाईस्कूल में जनपद के टाप-10 मेधावी विद्यार्थियो को सम्मानित करने के क्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता ने लक्ष्मी नारायण इण्टर कालेज बीघापुर में इण्टरमीडिएट के उत्तीर्ण 2 व हाईस्कूल के 1 पतिराजा महिपाल इण्टर कालेज घाटमपुर खुर्द के इण्टरमीडिएट 1 व हाईस्कूल के 3 चन्द्रिका देवी इण्टर कालेज तनगापुर में इण्टरमीडिएट के 1 व हाईस्कूल 2 त्रिवेणी काशी इण्टर कालेज में इण्टरमीडिएट के उत्तीर्ण 7 इस तरह भगवन्त नगर क्षेत्र के टाप-10 सूची में 17 मेधावी बच्चो को माला पटका पहनाकर स्मृतिचिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले मेधावियो में लक्ष्मी नारायण इण्टर कालेज बीघापुर में इण्टरमीडिएट में उत्कर्ष पटेल 92.40 प्रतिशत अनन्या बाजपेई 90.40 हाईस्कूल में अभयपाल 95.83 प्रतिशत, पतिराजा महिपाल इण्टर कालेज घाटमपुर खुर्द में इण्टरमीडिएट में निधि शुक्ला 90.40 प्रतिशत हाईस्कूल में आस्था पटेल 97.33 प्रतिशत आरोही सिंह 95.83 प्रतिशत अनुराधा शर्मा 95 प्रतिशत, चन्द्रिका देवी इण्टर कालेज तनगापुर में इण्टरमीडिएट में सुहानी दीक्षित 91.20 प्रतिशत हाईस्कूल में राधा देवी 94.83 प्रतिशत अंशिका साहू 94.67 प्रतिशत, त्रिवेणी काशी इण्टर कालेज बिहार में इण्टरमीडिएट में राघवेन्द्र शुक्ला 93.40 प्रतिशत, सत्यम सिंह 93.20 प्रतिशत, नन्दनी सिंह 92.80 प्रतिशत, अंशिका मिश्रा 91.60 प्रतिशत, आदर्श त्रिपाठी 91.20 प्रतिशत, अंशिका यादव 91.20 प्रतिशत, पीयूष 90.40 प्रतिशत सम्मानित किया। त्रिवेणी काशी इंटर कॉलेज बिहार में सदर विधायक ने मेधावी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा शिक्षा के क्षेत्र में यदि कोई कमी आती है तो उनका भाई उनके साथ हर समय खड़ा है। उन्होंने विद्यालय प्रबंध समिति को शुभकामनाएं भी दी। इस मौके पर कमल बहादुर सिंह,राज बहादुर सिंह,आनंद सिंह, रामचन्द्र बाजपेई, सुरेश बाजपेई, अवधेश चन्द्र बाजपेई, बृजेश सिंह, अभय सिंह, कौशल द्विवेदी, पवन तिवारी, सुधीर बाजपेई, अविनाश बाजपेई,दिनेश दीक्षित ,प्रशांत तिवारी,नरेश मिश्रा,मनोज सिंह, दिलीप बाजपेई, निर्भय सिंह, भूपेन्द्र सिंह, विश्वास प्रताप सिंह, अमन, गोलू आदि लोग मौजूद रहें।

खड़े डंफर में पीछे से घुसी डीसीएम, चालक की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कोतवाली अजगैन क्षेत्र के कानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर रविवार भोर पहर गुरुद्वारा मोड के पास सड़क पर खराब खड़े डंपर में एक डीसीएम पीछे से जा टकराई। हादसे में डीसीएम के चालक उदयभान मिश्रा (45) गाड़ी के केबिन में फंस गए। वह गोंडा जिले के कंडेलगंज थाना क्षेत्र के दुल्लापुर के रहने वाले थे। सूचना मिलते ही पुलिस और एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने काफी प्रयास के बाद चालक को केबिन से बाहर निकाला। उसे तुरंत नवाबगंज सीएचसी ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उदयभान को मृत घोषित बताया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी। शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है।

विधायक के जनसंपर्क कार्यालय पर नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। भाजपा विधायक बंबा लाल दिवाकर के जनसंपर्क कार्यालय पर रविवार को एक विशेष नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। आई शंकरा हॉस्पिटल, कानपुर की ओर से आयोजित इस निःशुल्क शिविर में 150 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। परिवारडॉ. सना खान के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने मरीजों की जांच की। शिविर में 55 ऐसे मरीज मिले, जिन्हें ऑपरेशन की आवश्यकता है। विधायक बंबा लाल दिवाकर ने घोषणा की कि इन मरीजों को विशेष बस से कानपुर ले जाया जाएगा। उनका ऑपरेशन निःशुल्क होगा। साथ ही उनके ठहरने और भोजन की व्यवस्था भी विधायक अपने निजी खर्च से करेंगे।विधायक ने कहा कि नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में आशीष कन्नौजिया, लल्ला तिवारी, राजू चौहान, अमित कुशवाहा, दीपक विमल सहित कई भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। विधायक ने आई शंकरा हॉस्पिटल की टीम का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविरों से जरूरतमंद लोगों को बहुत लाभ मिलता है।

मुंडन संस्कार में, गंगा में नहाते समय चाचा-भतीजे डूबे, तलाश जारी

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के नानामऊ घाट पर रविवार को एक मुंडन संस्कार कार्यक्रम में गए मलियन पुरवा गांव निवासी प्यारेलाल के पोते के मुंडन संस्कार के दौरान दो लोग गंगा में डूब गए।, जब कार्यक्रम में शामिल कुछ लोग गंगा में स्नान कर रहे थे। लोहानपुरवा निवासी 30 वर्षीय संजय पुत्र मुन्नीलाल और उसके भाई राजेश का 5 वर्षीय पुत्र नहाते समय गहरे पानी में चले गए। पैर फिसलने से दोनों चाचा-भतीजे डूब गए।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मांगलिक कार्यक्रम मातम में बदल गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से खोजबीन शुरू की गई। कई घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी दोनों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। संजय अपने परिवार के साथ पड़ोसी गांव में साढू के घर मुंडन संस्कार में शामिल होने गया था। पुलिस और गोताखोर लगातार तलाश में जुटे हैं।

अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराई लगी आग, चालक ने कूद कर बचाई अपनी जान

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार कार का टायर फटने से अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, कार में आग लगते ही चालक ने बाहर कूद कर जान बचाई। आग लगने से आधे घंटे तक एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ वाहनों की रफ्तार थम गई।क्षेत्र के लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे पर रविवार शाम पांच बजे कार चालक रोहित पुत्र विनोद, निवासी नेहरू नगर पटना अपने गांव चंडीगढ़ से पटना गांव जा रहा था तभी पीलखना रसीद पुर गांव के पास टाटा नेक्सान कार का टायर फटने से अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई जिससे कार में आग लग गई ,आग लगने से कार धू धू कर जलने लगी, कार चालक रोहित ने कार से कूद कर जान बचाई। यूपीडा के कर्मचारियों ने फायर बिग्रेड को सूचना दी जब तक फायर की गाड़ी पहुंचती तब तक कार जल कर राख हो गई ।आग लगने की वजह से आगरा एक्सप्रेसवे की एक पट्टी पर आधा घंटे तक वाहनों की रफ्तार थम गई।

कोतवाली प्रभारी संदीप शुक्ल ने बताया कि कार की जलने की सूचना पर फायर ब्रिगेड को बुलाया गया था लेकिन कार की तेज लपटों की वजह से कार जलकर राख हो गई,चालक को चोट नही लगी।

अवैध कच्ची शराब के खिलाफ चला अभियान ड्रोन से की जा रही निगरानी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस और आबकारी विभाग ने संयुक्त रूप से अवैध कच्ची शराब के खिलाफ रविवार को अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देश पर थाना असोहा पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने ग्राम सोहो के जंगल में छापेमारी की। टीम ने ड्रोन की मदद से इलाके की निगरानी की। जंगल से दो अवैध भट्टियां मिलीं। मौके पर करीब 400 लीटर लहन बरामद किया गया। टीम ने भट्टियों और लहन को वहीं नष्ट कर दिया।एसपी दीपक भूकर ने कहा कि जिले में अवैध शराब के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है। इस तरह के अवैध कार्यों में लिप्त लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि ड्रोन और अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग आगे भी किया जाएगा। थाना प्रभारी असोहा विमल कांत गोयल के अनुसार जल्द ही दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि अवैध शराब निर्माण या बिक्री की जानकारी मिलने पर बिना भय के पुलिस को सूचित करें।

एसपी ने एंटी फ्रॉड सेल का किया गठन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। साइबर और वित्तीय फ्रॉड के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने एंटी फ्रॉड सेल का गठन किया है। यह सेल 25 लाख रुपए से अधिक की धोखाधड़ी के मामलों की जांच करेगी। एंटी फ्रॉड सेल की कमान अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश सिंह को सौंपी गई है। उनके पास साइबर अपराध और वित्तीय मामलों की जांच का विशेष अनुभव है। टीम में एक सर्किल ऑफिसर और तीन अनुभवी इंस्पेक्टर भी शामिल हैं। यह सेल बैंक फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, फर्जी निवेश योजनाएं और प्रॉपर्टी से जुड़ी जालसाजी के मामलों को प्राथमिकता से देखेगी। एसपी भूकर के अनुसार, जिले में फ्रॉड के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। आम लोगों की मेहनत की कमाई की सुरक्षा के लिए यह कदम जरूरी था। नई एंटी फ्रॉड सेल केसों की जांच के साथ-साथ संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी भी करेगी। शिकायतों की त्वरित जांच और ठगी से जुड़े नेटवर्क की पहचान कर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी भी इसी सेल की होगी। इसके लिए टेक्निकल सपोर्ट, डाटा एनालिसिस और डिजिटल सबूतों की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

पति-पत्नी के 17 विवादित जोड़े आपसी कलह भुलाकर एक साथ रहने को हुए राजी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के कुशल निर्देशन वामा सारथी की अध्यक्षता में रिजर्व पुलिस लाइन एवं विभिन्न थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया। परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त महिला थाना से 05, थाना सोहरामऊ से 04, थाना औरास, थाना गंगाघाट से 02-02, थाना बिहार, थाना कोतवाली सदर, थाना सफीपुर व थाना बांगरमऊ से 01-01 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया।

उपरोक्त पुनीत कार्य में डा0 आशीष श्रीवास्तव प्रभारी परिवार परामर्श समिति एवं सलाहकारों में संजय चौरसिया, डा0 सगीर अहमद, डॉ0 अवसार अली एवं सहयोगी अंकित रघुवंशी तथा पुलिस टीम से म0हे0 डेस्क प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमारी, महिला प्रभारी निरीक्षक महिला थाना रेखा सिंह, उप निरीक्षक उमा अग्रवाल, पूजा चौधरी लक्ष्मी सिंह, पूनम राजपूत, प्राची चौहान सोनी मिश्रा, दुर्गेश का विशेष योगदान रहा।

विद्युत उपभोक्ता ने संविदा कर्मी पर दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। विद्युत उपभोक्ता से संविदा मीटर रीडर द्वारा पैसा लेकर पैसा जमा नहीं किए जाने व गाली गलौज जान से मार देने की धमकी दिए जाने के कारण उपभोक्ता की शिकायत पर संबंधित थाने में मुकदमा पंजीकृत हुओ कोतवाली बीघापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अकवाबाद निवासी शिवम सिंह पुत्र संतोष कुमार सिंह ने कोतवाली में तहरीर देकर कहा कि मैं रायबरेली में अपना हॉस्पिटल चलाता हूं समय के अभाव कारण अपने चचेरे भाई सत्यम सिंह के अकाउंट में रुपया 33000 देकर विद्युत बिल को जामा करने को कहा जहां सत्यम सिंह ने गांव के ही देवेंद्र सिंह पुत्र रामबरन सिंह जो संविदा मीटर रीडर पर काम करता है उसको 33000 देकर दे दिए देवेंद्र सिंह ने 19050 रुपए जमा करके रसीद दिया उसके बाद शेष रुपया नहीं जमा किया जब पूछा तब लगातार गाली गलौज वह जान से मार देने के लिए धमकाने लगे देवेंद्र व उसकी बहन गुड़िया बबली व भाई पिंटू द्वारा कई बार गाली गलौज किया तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लियो

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। मोटरसाइकिल व डंपर की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई वही दूसरे घायल का इलाज चल रहा कोतवाली बीघापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत अचलगंज से पुरवा रोड पर भैंसई कोयल के पास प्रमोद व उसका भतीजा रोहित मोटरसाइकिल से जा रहे थे तभी अनियंत्रित तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से टक्कर मार दी जिससे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया वहीं इलाज के दौरान प्रमोद की मौत हो व रोहित का इलाज चल रहा है मृतक के पुत्र ने संबंधित थाना कोतवाली में तहरीर दिया तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी।

एनआरएलएम में करोड़ों का हुआ घोटाला दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में 3.85 करोड़ रुपये के घोटाले का मामला सामने आया है। दोषी पाए गए जिला विकास अधिकारी संजय पांडे को प्रमोशन देकर ग्राम्य विकास मुख्यालय से अटैच कर दिया गया है। शासन ने उन्हें कार्यालय आयुक्त ग्राम्य विकास में तैनात करने के निर्देश दिए हैं। जिला ग्राम्य विकास अधिकारी तेजवंत की शिकायत पर सदर कोतवाली में डीडीओ संजय पांडे और डीएमएम शिखा मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वर्ष 2023-24 में एनआरएलएम के तहत गरीब महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के लिए 3.85 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। यह राशि 3558 समूहों को प्रति समूह 10 हजार रुपये की दर से दी जानी थी।फंड का उद्देश्य महिलाओं को प्रशिक्षण और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना था। जांच में पाया गया कि यह राशि लाभार्थी समूहों की बजाय निजी वेंडरों को भेज दी गई। गांधीनगर के अरविंद कुमार और अक्षत ठाकुर की शिकायत पर डीएम ने सीडीओ प्रेम प्रकाश मीणा को जांच के निर्देश दिए। सीडीओ की चार सदस्यीय जांच टीम ने अनियमितताओं की पुष्टि की। जांच में डीडीओ संजय पांडे और डीएमएम शिखा मिश्रा की संलिप्तता सामने आई। शासन द्वारा डीडीओ को निलंबित करने की बजाय प्रमोशन दिए जाने से स्थानीय प्रशासनिक और सामाजिक हलकों में असंतोष है। वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर संवेदनशील माने जाने वाले एनआरएलएम जैसे योजनाओं में इस प्रकार की लापरवाही ने शासन की छवि को भी प्रभावित किया है। अब देखना यह होगा कि शासन इस मामले में आगे क्या कदम उठाता है और दोषियों पर कैसी कार्रवाई होती है।

कारखाने पर काम कर रहे मजदूर को जहरीले सांप ने काटा, हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। शनिवार देर शाम बहलोलपुर गांव में एक आटा चक्की कारखाने में काम कर रहे अधेड़ को जहरीले सांप ने काट लिया.जिससे उनकी हालत बिगड़ने लगी परिजन आनन फानन सीएचसी बांगरमऊ ले गए जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था.परिजन शनिवार देर रात करीब 11 बजे मरीज को लेकर जिला अस्पताल जा रहे थे.इसी दौरान सफीपुर के निकट उनकी मौत हो गई.मौत से परिजनों में चीख पुकार मच गई.मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के बहलोलपुर गांव निवासी मृतक रहुप 55 वर्ष पुत्र एहसान अली देर शाम कारखाने के आसपास लगी टटिया में साफ सफाई कर रहे थे.इसी दौरान वहां पर मौजूद जहरीले सांप ने काट लिया.जिससे उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई.वही परिजनों ने बताया कि पूर्व में भी इसी जगह जहरीले सांप काटने की वजह से एक बकरी की मौत हो गई थी.हालांकि शव घर पहुंचते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई।

सम्पादकीय

भारत को वैश्विक केंद्र बनाएगा 'वेव्स'

विश्व के पहले दृश्य, श्रव्य और मनोरंजन सम्मेलन का भारत में होना इस क्षेत्र में हमारी अहमियत को दर्शाता है। एक मई से चार मई तक होने वाले 'विश्व दृश्य श्रव्य और मनोरंजन सम्मेलन' (वेव्स) का उद्देश्य दुनियाभर के रचनाकारों, स्टार्टअप, उद्योग जगत के लोगों और नीति निर्माताओं को साथ लाकर भारत को मीडिया, मनोरंजन और डिजिटल नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाना है। सिनेमा, ओटीटी, सोशल मीडिया, वेबसाइट्स, रेडियो, मीडिया आदि उद्योग में अपार संभावनाएं हैं, अच्छे कंटेंट की हमेशा चुनौतियां हैं, इस क्षेत्र को गति देने की जरूरत है, एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जैसे टूल आने से सुविधा के साथ दिक्कतें भी बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले वेव्स सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत में सृजन, विश्व के लिए सृजन का सही समय है। रचनात्मक क्षेत्र के लोगों को संगीत, नृत्य और कहानी कहने की शैली जैसी कलाओं का इस्तेमाल करके अधिक संवेदनशील भविष्य बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। मनुष्य को रोबोट में नहीं बदलने देना है। हमें उन्हें और अधिक संवेदनशील बनाना है। पीएम का संदेश साफ है कि संवेदनशीलता के साथ मनोरंजन किया जाना चाहिए। हिंसा, अश्लीलता और रोबोटिक मनोरंजन से समाज निर्माण की यात्रा आगे नहीं बढ़ सकती है। दृश्य, श्रव्य और मनोरंजन उद्योग को रचनात्मक जिम्मेदारी निभानी होगी। हमें युवा पीढ़ी को कुछ मानवता विरोधी विचारों से बचाना होगा। पीएम की ये टिप्पणियां विवादास्पद ऑनलाइन सामग्री को लेकर जारी बहस के बीच आई हैं, जहां उच्चतम न्यायालय ने सरकार से इसके विनियमन के लिए दिशानिर्देश बनाने को कहा है। आज भारत फिल्म निर्माण, डिजिटल विषयवस्तु, गेमिंग, फैशन, संगीत और लाइव प्रस्तुतियों के लिए अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में उभर रहा है। दरअसल, रचनात्मक दुनिया में मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक चेतना को जगाने की शक्ति है। 'वेव्स' केवल शब्द-संक्षेप नहीं है, यह संस्कृति, रचनात्मकता, फिल्म संगीत, गेमिंग, कहानी कहने की शैली की एक लहर है। वेव्स से भारत को मीडिया, मनोरंजन और डिजिटल नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित होने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम से दुनिया भर से निर्माता, कंटेंट बनाने वाले, फिल्म जगत व गेमिंग उद्योग से जुड़े प्रमुख व्यक्तियों और नीति निर्माताओं को एक मंच पर लाने की पहल की गई है। 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट' (वेव्स) फिल्मों, ओटीटी (ओवर द टॉप), गेमिंग, कॉमिक्स, डिजिटल मीडिया, एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स - एक्सटेंडेड रियलिटी), प्रसारण एवं उभरती हुई तकनीक को एक मंच प्रदान करेगा और खुद को भारत के मीडिया एवं मनोरंजन कौशल के व्यापक प्रदर्शन के रूप में पेश करने का प्रयास करेगा। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य 2029 तक 50 अरब अमेरीकी डॉलर के बाजार को सबके लिए खोलना तथा वैश्विक मनोरंजन अर्थव्यवस्था में भारत की उपस्थिति का विस्तार करना है। भारत का बहुमुखी मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग अगले दशक में तीन गुना से अधिक बढ़ जाएगा। एआई और 'इमर्सिव टेक्नोलॉजी' (डिजिटल दुनिया में जीवंत अनुभव देने वाली प्रौद्योगिकी) से इस क्षेत्र को मदद मिलेगी। वेव्स भारत के मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए एक नए युग के शुभारंभ का प्रतिनिधित्व करेगा। यह भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगा।

अर्थव्यवस्था

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

युद्ध में आर्थिकी भी है प्रभावी हथियार

इस समय जहां पूरा देश पाकिस्तान के साथ युद्ध सहित सभी विकल्पों से मुकाबले के लिए सरकार के साथ एकजुट खड़ा है, वहीं देश की मजबूत घरेलू आर्थिकी भी भारत के लिए एक प्रभावी हथियार दिखाई दे रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के अधिकांश देशों की तुलना में भारत का शेयर बाजार तेजी से बढ़ने की प्रवृत्ति दिखा रहा है। 28 अप्रैल को भारत का सेंसेक्स 80,218 अंकों की ऊंचाई पर दिखाई दिया है। साथ ही डॉलर की तुलना में रुपया मजबूत हुआ है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पाकिस्तान से युद्ध के माहौल, टैरिफ की चुनौतियों और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था भारत की शक्ति बन गई है।

इन दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के द्वारा पाकिस्तान को सिखाए जाने वाले सबक के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर जो रिपोर्ट प्रकाशित हो रही हैं, उनमें कहा जा रहा है कि भारत सैन्य ताकत की दृष्टि से पाकिस्तान से मजबूत है और पाकिस्तान पर सैनिक कार्रवाई में कोई दिक्कत नहीं है। भारत के पास दुनिया का कूटनीतिक समर्थन है और इन सबके साथ-साथ भारत की आर्थिकी दमदार और मजबूत है। इन आधारों पर भारत पाकिस्तान से सभी प्रकार के युद्ध में विजेता बनते हुए दिखाई दे सकेगा। वस्तुतः इस समय जहां पूरा देश पाकिस्तान के साथ युद्ध सहित सभी विकल्पों से मुकाबले के लिए सरकार के साथ एकजुट खड़ा है, वहीं देश की मजबूत घरेलू आर्थिकी भी भारत के लिए एक प्रभावी हथियार दिखाई दे रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के अधिकांश देशों की तुलना में भारत का शेयर बाजार तेजी से बढ़ने की प्रवृत्ति दिखा रहा है। 28 अप्रैल को भारत का सेंसेक्स 80,218 अंकों की ऊंचाई पर दिखाई दिया है। साथ ही डॉलर की तुलना में रुपया मजबूत हुआ है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत बनाई जा रही है और सरकारी ऋण के बेहतर प्रबंधन से भारत का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रित है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक का मानना है कि भारत चुनौतियों के बीच नई संभावनाओं वाला देश है और भारत वैश्विक व्यापार को बढ़ाने वाला इंजन बन सकता है। भारत ट्रंप टैरिफ और वैश्विक व्यापार युद्ध के दौर में नीतिगत चुस्ती और दीर्घकालीन नजरिए से वैश्विक व्यापार चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था व्यापक आर्थिक विवेक से प्रबंधित की जा रही है। उद्यमियों को नीतिगत स्थिरता, प्रशासन, नवाचार एवं वृहद आर्थिक नीति उपलब्ध कराई जा रही है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास संगठन (अंकटाड) के द्वारा जारी ट्रेड एंड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2025 में कहा गया है कि वैश्विक मंदी की आशंका और बढ़ते व्यापार तनावों के बीच भी घटती ब्याज दर, घटती महंगाई और घरेलू अर्थव्यवस्था के दम पर भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी की दर से बढ़ते हुए दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। 2025 में यद्यपि दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता और व्यापार नीति में बदलाव के कारण विकास दर घटकर सिर्फ 2.3 फीसदी रह सकती है। पूरे दक्षिण एशिया में विकास दर 5.6 फीसदी रहने की संभावना है। कुछ देश जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका भारी कर्ज और महंगे खाद्य पदार्थों के चलते दबाव में रह सकते हैं, लेकिन टैरिफ चुनौतियों के बीच भी भारत में आर्थिक वृद्धि जारी रहेगी, क्योंकि सरकार सार्वजनिक खर्च को बढ़ा रही है और रिज़र्व बैंक ने ब्याज दर में कटौती की है। इससे न केवल घरेलू खपत को सहारा मिलेगा, बल्कि निजी निवेश में भी उछाल आने की उम्मीद है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पाकिस्तान से युद्ध के माहौल, टैरिफ की चुनौतियों और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था भारत की शक्ति बन गई है। भारत अपने मजबूत स्थानीय और घरेलू बाजार से किसी भी आर्थिक झटके का सामना करते

हुए आगे बढ़ने की संभावना रखता है। इस समय छह महत्वपूर्ण आधार भारत की घरेलू आर्थिकी को मजबूती देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इनमें घटती महंगाई, घटती ब्याज दर, अच्छा मानसून, बढ़ता शेयर बाजार, मध्यम वर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति और ट्रंप के टैरिफ से मुकाबला करने की भारत की कूटनीतिक रणनीति शामिल है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) महंगाई और ब्याज दर में संतुलन बनाए रखने की नीति पर लगातार आगे बढ़ रहा है।

9 अप्रैल को आरबीआई ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती करते हुए इसे 6 फीसदी कर दिया है। साथ ही अब रिजर्व बैंक की आगामी बैठक में ब्याज दरों में अधिक कटौती की उम्मीदें मजबूत हो गई है। अब तक ब्याज दरें अधिक होने से उपभोक्ता कर्ज लेने से पीछे हट रहे थे और कर्ज की अधिक लागत से उद्यमी भी विस्तार की योजनाओं के लिए तत्परता नहीं दिखा रहे थे। ऐसे में नए फैसलों से लोगों की क्रयशक्ति और खपत बढ़ने से विकास दर को गति दी जा सकेगी। निसंदेह देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी के जोरदार संकेत विकास दर को बढ़ाने वाले सकारात्मक संदेश हैं। भारत का शेयर बाजार दूसरे देशों की तुलना में बढ़ने की प्रवृत्ति दिखा रहा है। रुपया मजबूत हो रहा है। निर्यात बढ़ रहे हैं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट है। सरकार के पूंजीगत खर्च बढ़ने से भी अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। देश के कोने-कोने में घरेलू बाजार को मेक इन इंडिया अभियान से शक्ति मिल रही है। लम्बे समय तक दूसरे देशों से बड़ी संख्या में आयातीत कई औद्योगिक उत्पाद देश में ही बनाए जा रहे हैं। लगातार स्थानीय उत्पादों के उपयोग और स्थानीय श्रम को अच्छे मूल्य पर जोर दिए जाने जैसे अभियान से शहरों से गांवों तक स्वदेशी सामान की खरीदी में जोरदार उछाल आया है। चीन से त्योहारी उत्पादों के आयात में कमी के साथ-साथ खिलौनों जैसी वस्तुओं के आयात में भी सराहनीय कमी आई है। इस समय देश के मध्यम वर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति भी आर्थिकी के लिए अहम है। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट के माध्यम से टैक्स में कटौती और वित्तीय प्रोत्साहनों से मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने के अभूतपूर्व प्रावधान किए गए हैं। इन सबके साथ-साथ भारत ट्रंप के टैरिफ की चुनौती के मुकाबले के लिए आर्थिक कूटनीति के साथ आगे बढ़ा है।

निसंदेह भारत दमदार आर्थिकी तैयार करते हुए आगे बढ़ रहा है। ऐसे में सरकार के द्वारा घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कुछ और बातों पर ध्यान दिया जाना लाभप्रद होगा। भारत में आत्म निर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल मंत्र को बढ़ाना होगा। इससे स्थानीय और घरेलू बाजार तेजी से आगे बढ़ेंगे। जीएसटी में सरलता, निवेश के लिए अधिक अनुकूल माहौल, कुशल बुनियादी संरचना, लॉजिस्टिक लागत में कमी, गतिशक्ति योजना का तेज क्रियान्वयन, व्यवसाय करने की प्रक्रिया की सरलता जैसे रणनीतिक कदमों से भारत के घरेलू बाजार की चमक बढ़ाई जा सकेगी। अब टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा, अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) के साथ ही कृषि तथा श्रम सहित अन्य सुधारों के क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा। चूंकि अमेरिका ने चीन से अपने देश में आने वाले उत्पादों पर ज्यादा शुल्क लगा दिया है, ऐसे में भारत की ओर चीनी सामान की डंपिंग शुरू हो गई है। इसे देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों के भारतीय उद्यमियों की घरेलू बाजार में चीनी सामान की 'डंपिंग' को लेकर चिंताओं पर ध्यान देना होगा। ऐसे विभिन्न रणनीतिक कदमों से भारत की घरेलू आर्थिकी और मजबूत बनेगी तथा ऐसे में पाकिस्तान के साथ युद्ध की स्थिति में भारत की घरेलू आर्थिकी भारत के लिए एक प्रभावी हथियार बनेगी।

जयंती विशेष

श्वेता गोयल

महाकवि सूरदास के गीतों में बसी है भक्ति की चमक

भारतीय साहित्य के विशाल आकाश में भक्तिकाल एक ऐसा युग रहा है, जिसने न केवल धार्मिक चेतना को जागृत किया बल्कि भाषा, भाव और लोकसंस्कृति को भी नई ऊंचाइयां प्रदान की। इस युग में कई संत-कवि हुए, जिन्होंने अपने जीवन और काव्य से समाज को भक्ति, प्रेम और मानवता की राह दिखाई। इन्हीं महान संत कवियों में योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण के परम उपासक, भक्तिकाल के महाकवि, महान संत सूरदास जी का स्थान सर्वोच्च है। सूरदास केवल एक कवि नहीं थे, वे एक ऐसे भाव-सम्राट थे, जिन्होंने हिन्दी काव्य को भाव, भाषा और भक्ति की त्रिवेणी से अभिसिंचित किया। हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को सूरदास जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष यह 2 मई को मनाई जा रही है। सूरदास जयंती केवल एक कवि के जन्म की स्मृति नहीं है बल्कि उस प्रेमधारा का उत्सव है, जो उन्होंने अपने शब्दों से प्रवाहित की थी। सूरदास का जन्म 1478 ईस्वी के आसपास एक ब्राह्मण परिवार में हुआ माना जाता है। उनके जन्मस्थान को लेकर कई मत हैं लेकिन अधिकांश विद्वान मानते हैं कि उनका जन्म उत्तर प्रदेश के रुनकता या सीही नामक स्थान पर हुआ था। यह भी कहा जाता है कि वे जन्म से अंधे थे, हालांकि कुछ विद्वानों का मत है कि उन्होंने युवावस्था में दृष्टि खोई। तथ्य चाहे जो भी हो, यह निर्विवाद सत्य है कि सूरदास ने अपने भीतर जो दृष्टि अर्जित की थी, वह सामान्य दृष्टि से कहीं अधिक तीव्र और व्यापक थी। उन्होंने जो देखा, वह आंखों से नहीं, हृदय से देखा। उन्होंने

जो अनुभव किया, वह आत्मा से किया और उन्होंने जो रचा, वह कालातीत बन गया। सूरदास की ख्याति विशेष रूप से उनके कृष्णभक्ति पर आधारित काव्य के कारण है। उन्होंने बालकृष्ण की लीलाओं को जिस प्रकार चित्रित किया है, वह भारतीय साहित्य में अद्वितीय है। बाल गोपाल के जन्म से लेकर उनके यशोदा से नटखट संवाद, गोपियों के साथ रास, माखन चोरी, और राधा-कृष्ण के प्रेम का जो भावनात्मक और सौंदर्यपूर्ण वर्णन सूरदास ने किया है, वह केवल वर्णन नहीं बल्कि अनुभूति है। यह वह अनुभूति है, जिसे पढ़ते हुए पाठक स्वयं उस संसार में प्रवेश कर जाता है, जहां गोविंद हैं, गोपियां हैं, यमुना का तट है, वृंदावन का कुंज है और वहां एक दिव्य प्रेम का आलोक फैला हुआ है। महाकवि सूरदास एक महान कवि और संगीतकार थे, जिन्होंने कान्हा की भक्ति में कई गीत, दोहे और कविताएं लिखी। वे अपनी कविताओं, गीत और दोहों के लिए ही प्रसिद्ध हुए। सूरदास के भक्तिमय गीत आज भी हर किसी को मोहित करते हैं। सूरसागर, सूरसावली, साहित्य लहरी, नल दमयंती और ब्याहलो सूरदास जी की प्रमुख रचनाएं हैं। सूरदास की भाषा ब्रजभाषा थी, जो उस समय केवल लोक की भाषा मानी जाती थी लेकिन सूरदास ने इस भाषा को वह गरिमा प्रदान की कि वह हिन्दी साहित्य की मुख्यधारा बन गई। उनकी रचनाओं में ब्रजभाषा की मिठास, उसकी लयात्मकता और भाव सम्प्रेषण की क्षमता को नए आयाम मिले। उनका काव्य सरल होते हुए भी अत्यंत गहन है। उसमें कहीं भी दुरूहता नहीं है, न ही दार्शनिक भारीपन। वह सीधा हृदय को स्पर्श करता है। सूरदास के काव्य का सबसे प्रमुख संग्रह 'सूरसागर' है, जिसमें कृष्ण की बाल लीलाओं से लेकर उनके प्रेम प्रसंगों तक का सुंदर वर्णन मिलता है। सूरसागर केवल एक काव्य ग्रंथ नहीं बल्कि एक ऐसा आध्यात्मिक ग्रंथ है, जिसमें भक्ति, प्रेम, दर्शन और मानवीय भावनाओं की समस्त छवियां एकत्रित हैं। उनके पदों में लोक और लीलाओं का अद्भुत सामंजस्य है। एक ओर वे कृष्ण को बालक के रूप में गोदी में खेलते दिखाते हैं तो दूसरी ओर वे उन्हें ब्रह्म का साक्षात रूप बताते हैं। यह द्वंद्व ही सूरदास की काव्य शक्ति का प्रमाण है। कहा जाता है कि श्रीकृष्ण के परम भक्त सूरदास बचपन से संत प्रवृत्ति के थे।

हमें वैराग लेकर भगवान को नहीं पाना है

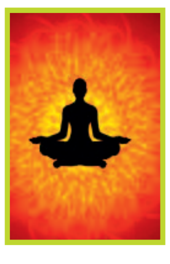

संकलित

दर्शन

परिवार में कोई बीमार हो तो दूसरे व्यक्ति के शरीर पर भी असर होता है। अगर बच्चों का विवाह नहीं हुआ है, अच्छा लड़का या लड़की नहीं मिली है, पढ़ाई ठीक से नहीं कर पाए हैं तो इन पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। हमें वैराग लेकर भगवान को नहीं पाना है। बल्कि हम जहां हैं, वहां रहकर भगवान को ऊपर से नीचे उतारना है। भगवान उतरते हैं। दशरथ के घर उतरे हैं, वासुदेव की जेल में उतरे हैं। हम वैराग लेकर उन्हें ऊपर खोजने जाएं, यह भी एक गति है, लेकिन क्यों न हम एक एक पारिवारिक दायित्व पूरा करते-करते उन्हें नीचे बुला लें। हम नरसिंह मेहता नही है। हम मीरा और भर्तृहरि नहीं हैं। मनु और शतरूपा ने वैराग का पथ लिया तो भी परिवारिक दायित्व को पूरा किया। भजन का मतलब यह नहीं कि आप सबको नजरअंदाज करें, सबकी उपेक्षा करें। भजन में पारिवारिक स्वास्थ्य आवश्यक है। आत्मा की तंदुरुस्ती के विषय में मैं खुलासा कर दूं कि आत्मा बीमार नही है। मन बीमार हो सकता है, आत्मा कहां बीमार होती है। जैसे सूरज तंदुरुस्त है, लेकिन बादल से आवृत्त होने पर सूरज दिखना बंद हो जाता है। वैसे ही स्थिति हमारी आत्मा की है। जैन परंपरा कहती है कि आत्मा पर कई तरह के कशाय के बादल छा जाते हैं। इसी रूप में आत्मा अस्वस्थ नहीं हो सकती। आत्मा बूढ़ी नहीं हो सकती। शरीर जन्म लेता है, आत्मा जन्म नहीं लेती। ये तो सीधी-सी बात है।

तुलसीदास जी द्वारा विप्रचंद ब्राह्मण पर कृपा

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक विप्रचंद नामक ब्राह्मण से हत्या हो गयी और उस हत्या के प्रायश्चित के लिए वह अनेक तीर्थों में घूमता हुआ काशी आया। वह मुख से पुकार कर कहता था: राम राम! श्री गोस्वामी जी ने उसके मुख से अपने इष्टदेव का अतिसुंदर राम नाम सुनकर उसे अपने निवास स्थान पर बुला लिया और उसे हृदय से लगा लिया। फिर उसे अपनी पंक्ति में बैठकर प्रसाद पवाया, जिससे वह शुद्ध हो गया। काशी के ब्राह्मणों ने जब यह बात सुनी तो उन्होंने एक सभा की और उसमें गोस्वामी जी को बुलवाया। सभी पंडितो ने गोस्वामी जी से पूछा कि प्रायश्चित पूरा हुए बिना ये ब्राह्मण कैसे शुद्ध हो गया? भगवन्नाम के प्रताप से ही यह ब्राह्मण भी शुद्ध हो गया। गोस्वामी जी ने पूछा कि फिर आपको कैसे होगा वह उपाय कहिये? इसपर ब्राह्मणों ने कहा: यदि इस व्यक्ति के हाथ से भगवान शंकर के नंदी जी प्रसाद खा लें तो हम लोग इसे अपनी जाति, पंगति में ले अथवा नहीं। सब लोग काशी में ज्ञानवापी नदी के तट पर पहुंचे जहाँ शर्त रखी गयी थी। श्री गोस्वामी जी ने नन्दीश्वर से कहा: हे नंदीश्वर ! यदि यह ब्राह्मण राम नाम के प्रताप से शुद्ध हो गया है तो आप इसके हाथ से प्रसाद स्वीकार करके नाम की महिमा को प्रमाणित कीजिये। नन्दीश्वर ने प्रसन्नता के साथ प्रसाद स्वीकार कर लिया। इस चमत्कार को देखकर सभी श्री रामचंद्र जी की एवं रामनाम की जय जयकार करने लगे और श्रीतुलसीदास जी की नामनिष्ठा पर बलिहार हो गए।

विश्व हाथ स्वच्छता दिवस (05 मई) पर विशेष

हाथों को हमेशा स्वच्छ रखें, बीमारियों से बचें

सही तरीके से साबुन-पानी से हाथ धोने से संक्रमण से होता है बचाव

लेखक :--- मुकेश शर्मा

हिंदी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

संक्रामक बीमारियों से बचने और स्वस्थ रहने का सबसे आसान तरीका है कि हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह से नियमित रूप से जरूर धुलें। सर्दी, जुकाम, फ्लू ही नहीं बल्कि कई अन्य संक्रामक बीमारियाँ ऐसी हैं जो हाथों के जरिए खुद के साथ एक-दूसरे में फैल सकती हैं। इसलिए हाथों को सही तरीके से धुलने की आदत बचपन से ही डालने की जरूरत है। इसी बारे में जागरूकता लाने और हाथ धुलने का सही तरीका जन-जन को समझाने के लिए ही हर साल पांच मई को विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वर्ष 2009 में इस दिवस की शुरूआत ह्लजीवन बचाएं- अपने हाथ साफ करेंह्व के नारे के साथ की थी, जिसका मकसद हाथों की स्वच्छता के बारे में वैश्विक स्तर पर जागरूकता लाना था। इस साल इस खास दिवस की थीम है-ह्लआपके पास दस्ताने हो सकते हैं, फिर भी हमेशा हाथ की स्वच्छता जरूरीह्व (इट माईट बी ग्लव्स, इट्स आलवेज हैण्ड हाइजीन)। इस थीम का मूल मकसद दस्तानों के अनावश्यक उपयोग के बारे में सचेत करना भी है क्योंकि यह हाथों की सही स्वच्छता के विकल्प कदापि नहीं हो सकते। इनका उपयोग स्वास्थ्य देखभाल के दौरान करना तो आवश्यक है लेकिन हाथों की सही स्वच्छता के लिए हाथों को साबुन-पानी से धुलना जरूरी है। इसके अलावा इनके अनावश्यक उपयोग से पर्यावरणीय असर भी पड़ता है। इस तरह लोगों में यह जागरूकता लाना भी जरूरी हो जाता है कि वह अच्छी तरह समझ विकसित कर सकें कि दस्तानों का उपयोग कब और किन परिस्थितियों में जरूरी है।

बच्चों को भी डायरिया समेत कई अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए भी हाथों की स्वच्छता बहुत जरूरी है। इसीलिए चिकित्सक माता-पिता व देखभाल करने वालों को सलाह देते हैं कि छोटे बच्चों को कुछ भी खिलाने-पिलाने और गोद लेने से पहले अपने हाथों को जरूर अच्छी तरह से धुल लें। इसके साथ ही बच्चों के भी हाथों को साफ रखना चाहिए। हाथों की सही स्वच्छता को एक स्थायी आदत के रूप में सभी में विकसित करने के लिए हर किसी को प्रोत्साहित करना भी जरूरी है। साबुन-पानी की उपलब्धता न होने पर ही हैण्ड सेनेटाइजर को प्राथमिकता देनी चाहिए। हैण्ड सेनेटाइजर भी 60 फीसद से अधिक अल्कोहल वाला ही हाथों को साफ रखने में सक्षम है। लोगों में एक मिथक यह भी है कि हाथों को धुलने के बजाय सेनेटाइज करना ज्यादा फायदेमंद रहता है कि जबकि सही बात यह है कि सेनेटाइजर से केवल कीटाणु या वायरस खत्म होते हैं लेकिन हाथों की गंदगी और चिकनाई को दूर करने के लिए साबुन-पानी से हाथ धुलना ही बेहतर विकल्प है।

सही तरीके से हाथ धोने के चरण के बारे में भी हर किसी को जानना जरूरी होता है जैसे- हाथों को पानी से गीला करना, साबुन लगाना, झाग बनाना, रगड़ना, धुलना और सुखाना। इस बारे में समुदाय को भलीभांति समझाने के लिए सुमन-के (रवटअठ झङ) विधि के बारे में आसान तरीके से समझाया जाता है, इसके अंतर्गत ह्लएसह्व का मतलब है पहले सीधा हाथ (हथेली और उँगलियाँ), ह्लयूह्व यानि हाथ का पिछला हिस्सा (उल्टा), ह्लएमह्व मतलब मुठ्ठी (उँगलियाँ और पोर), ह्लएह्व मतलब अंगूठा, ह्लएनह्व मतलब नाखून (उँगलियों के सिरे) और ह्लकेह्व मतलब कलाई को साबुन पानी से कम से कम 20 सेकेण्ड तक धुलें और अपने हाथों को सही मायने में स्वच्छ रखें। इस विधि के माध्यम से छोटे बच्चों और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भी आसानी के साथ समझाया जा सकता है। हाथों को देर तक साबुन-पानी से रगड़ने का भी भ्रम नहीं होना चाहिए क्योंकि कीटाणु और गंदगी 20 सेकेण्ड तक सही तरीके से हाथ धुलने से खत्म हो जाते हैं। लोगों में यह भी भ्रान्ति रहती है कि गर्म पानी से ही हाथों को अच्छी तरह से साफ रखा जा सकता है जबकि कीटाणु और गंदगी को खत्म करने के लिए नार्मल पानी ही पर्याप्त है। खाना खाने से पहले और बाद में, शौचालय के बाद, खांसने-छींकने के बाद, कचरे के निस्तारण के बाद, जानवरों की देखभाल के बाद और बीमार व्यक्ति से सम्पर्क व देखभाल से पहले और बाद में हाथों की स्वच्छता का खास ख्याल जरूर रखना चाहिए ताकि किसी भी तरह के संक्रमण से सुरक्षित रहा जा सके।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इण्डिया के एक्जेक्युटिव डायरेक्टर हैं)

ट्रेंड

महाराष्ट्र दिवस

भारत के विकास में हमेशा अहम भूमिका निभाने वाले राज्य महाराष्ट्र के लोगों को महाराष्ट्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जब महाराष्ट्र के बारे में सोचते हैं तो इसका गौरवशाली इतिहास और लोगों का साहस हमारे दिमाग में आता है। यह राज्य प्रगति का एक मजबूत स्तंभ बना हुआ है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

'जातीय जनगणना' सही

देश में मूल जनगणना के साथ ही 'जातीय जनगणना' कराने का केन्द्र सरकार द्वारा लिया गया फैसला काफी देर से उठाया गया सही दिशा में कदम है। बीएसपी इसकी माँग काफी लम्बे समय से करती रही है।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

क्या यही है लोकतंत्र

सरकार ने 4 पीएम जैसे नेशनल चैनल को बिना किसी कारण बंद करवाकर ये साफ़ कर दिया है कि उसे जनता के सवालों से डर लगता है। क्या यही है 'लोकतंत्र'? मीडिया को दबाना मतलब जनता की आवाज़ को कुचलना है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

सार्थक तरीका अपनाएं

शासन का मतलब सिर्फ़ सत्ता नहीं बल्कि करुणा से शुरू होता है, हमारे आस-पास के संघर्षों को देखने की इच्छा से, उनसे इस तरह जुड़ने की इच्छा से जैसे कि वे हमारे अपने हों, और उन्हें संबोधित करने के लिए सार्थक तरीके से कार्य करें।

-कैलाश सत्यार्थी, नोबेल पुरस्कार विजेता

संक्षेप

खेत से लौट रही महिला पर कुल्हाड़ी-फरसे से हमला

पुरानी रंजिश में पिता-पुत्र समेत दो ने किया वार, 8 घंटे में तीन गिरफ्तार

सुलतानपुर, जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के चोरमा गांव में गुरुवार शाम करीब 7 बजे एक महिला पर पुरानी रंजिश में हमला किया गया। राजमती पत्नी रामजी गन्ने की बुवाई करके खेत से घर लौट रही थी। इस दौरान गांव के दयाराम ने अपने परिजनों के साथ मिलकर उस पर हमला कर दिया। आरोपियों ने कुल्हाड़ी और फरसे से वार किया। पीड़िता की आवाज सुनकर उसका देवर बचाने पहुंचा। हमले में महिला और उसका देवर दोनों घायल हो गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने एक ही परिवार के पिता-पुत्र और दो बेटियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 8 घंटे के भीतर दो महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में दयाराम (60)वर्ष पुत्र रामस्वरूप निवासी ग्राम चोरमा, दलपत सहाय का पुरवा और दो महिला आरोपी शामिल हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

बोलेरो की टक्कर से महिला घायल

सुल्तानपुर रेफर, पति को मामूली चोटें

सुलतानपुर, चांदा कोतवाली क्षेत्र के ढाखापुर गांव के पास फोरलेन पर सड़क हादसा हुआ। बदलापुर से घर लौट रहे दंपति की बाइक को एक बोलेरो ने टक्कर मार दी। चांदा के दरबरपुर निवासी अरविंद गुप्ता अपनी पत्नी सरोज गुप्ता के साथ बाइक पर सवार थे। ढाखापुर के पास बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में सरोज गुप्ता को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की सहायता से घायल को प्रतापपुर कमैचा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सरोज की हालत को देखते हुए उन्हें सुल्तानपुर रेफर कर दिया।

मेधावी छात्रों का सम्मान

हाईस्कूल-इंटर टॉपर्स को टैबलेट, साइकिल और स्टडी टेबल से नवाजा

सुलतानपुर, राममनोर्थ इंटर कॉलेज शफीपुर में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के टॉप-10 छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इंटरमीडिएट में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली आकृति यादव को टैबलेट, स्मृति चिह्न और मेडल दिया गया। द्वितीय स्थान पर रहीं प्रांजलि यादव को टैबलेट और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली दिव्या प्रजापति को बैग और स्टडी टेबल दिया गया। हाईस्कूल में टॉपर शिवम यादव को साइकिल और मेडल से सम्मानित किया गया। द्वितीय स्थान प्राप्त अंशिका यादव को बैग, स्टडी टेबल और किताबें दी गईं। तृतीय स्थान पर रहीं आयुषी यादव को बैग और स्टडी टेबल से नवाजा गया।

टॉप-10 में स्थान बनाने वाली खुशी यादव, खुशी सिंह, दिव्यांजली सिंह समेत अन्य छात्रों को प्रशस्ति पत्र और मेडल दिए गए।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन तहसील महसी इकाई का गठन

तहसील महसी के अध्यक्ष अमर नाथ व महामंत्री बने शिवाजी

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के महसी तहसील कार्यकारिणी की बैठक रविवार को महसी ब्लॉक सभागार में आयोजित की गई। जिसमें यूनियन के जिला अध्यक्ष संजय मिश्रा, उपाध्यक्ष वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव, जिला मीडिया प्रभारी अटल सिंह, कोषाध्यक्ष रमन सोनी की उपस्थिति में तहसील महसी इकाई का गठन किया गया। बैठक में संरक्षक पद पर कृष्णानंद पांडेय व अध्यक्ष अमर नाथ त्रिवेदी, महामंत्री शिवाजी अवस्थी मीडिया प्रभारी राकेश मौर्या को सर्व सम्मति से निर्विरोध चुना गया। वहीं यूनियन के तहसील के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए संजय सिंह एवं उपाध्यक्ष पद के लिए हिमांशु मिश्रा को सर्वसम्मति से चुना गया। यूनियन के जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा ने नवनिर्वाचित सभी सदस्यों को बधाई दी और सगंठन व पत्रकार हित में कार्य करने को प्रेरित किया। इस दौरान अभिनय त्रिपाठी, अरविंद पाठक, लोकनाथ त्रिवेदी, चंद्रप्रकाश शुक्ला, संदीप त्रिवेदी सहित संगठन के तमाम साथी उपस्थित रहे। हर्ष के इस मौके पर यूनियन के जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा ने नवनियुक्त सभी सदस्यों के मन मे जोश भरते हुए कहा कि पूरी मेहनत ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ सभी साथी पत्रकारिता करें। यूनियन की मजबूती के लिए एकजुट रहना बहुत जरूरी है संघ में शक्ति है इसलिए सभी निर्भीक एवं निडर होकर आगे बढ़े। वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि जिस यूनियन के हम सदस्य हैं वो यूनियन किसी पहचान की मोहताज नही बल्कि उत्तरप्रदेश के हर कोने में यूनियन का डंका बज रहा है। इस मौके पर तहसील अध्यक्ष अमरनाथ त्रिवेदी ने सभी साथियों का आभार प्रकट किया और कहा कि यूनियन को तहसील में मजबूत करने के लिए जो भी करना होगा हम करेंगे। वहीं तहसील महामंत्री शिवाजी अवस्थी ने कहा कि आज जिस तरह से पत्रकारों को निशाना बनाया जा रहा है। अगर हम सभी साथी एकजुट नही होंगे तो एक भी पत्रकार साथी सुरक्षित नही रहेगा। क्योंकि चाहे वो अधिकारी हों या नेता हों या अपराधिक प्रवृति के लोग हों सभी के निशाने पर सिर्फ पत्रकार ही होते हैं। तहसील इकाई के गठन को लेकर सभी स्थानीय पत्रकारों में खुशी एवं हर्ष की लहर देखी गयी।

लखनऊ से आए बच्चों ने कतर्नियाघाट का किया शैक्षिक भ्रमण

शनिवार व रविवार को विस्टाडोम में प्राकृति का आनन्द ले सकेंगे बच्चे

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य मंशादीन शुक्ला इंटर कालेज नादान महल रोड लखनऊ से ईको टूरिज्म ऑर्गनाइजर सुनील शर्मा के नेतृत्व में 20 छात्रों का दल शैक्षिक भ्रमण पर कतर्नियाघाट घूमने के लिए पहुँचा। प्रभागीय वनाधिकारी कतर्नियाघाट बी शिवशंकर ने दल के कतर्नियाघाट पहुंचने पर उनका स्वागत किया और कतर्नियाघाट की जैव विविधता के बारे में अवगत कराया।

ईको टूरिज्म ऑर्गनाइजर सुनील शर्मा ने इस दौरान बताया कि कतर्नियाघाट की पारिस्थितिकी तंत्र को अवगत कराने हेतु रेलवे द्वारा विस्टाडोम कोच का प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बिछिया रेलवे स्टेशन से विस्टाडोम के माध्यम से दुधवा कतर्नियाघाट जंगल होते हुए मैलानी जंक्शन पहुंचकर बच्चों का दल लखनऊ के लिए प्रस्थान कर जायेगा। यात्रा के दौरान शैक्षिक भ्रमण पर आये बच्चों के लिए खानपान की समुचित व्यवस्था की गई। शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य है कि यात्रा के माध्यम से बच्चों को दुधवा व कतर्नियाघाट के परिस्थितिकी तंत्र, यहां के जीव जंतु तथा घनों जंगलों के बीच रेल संचालन के बारे में जानकारी हो सके। श्री शर्मा ने बताया कि प्रत्येक सप्ताह शनिवार व रविवार को छात्रों का दल विस्टाडोम पर सवार होकर कतर्नियाघाट व दुधवा की प्राकृतिक छटा को निहारेंगें। शैक्षिक भ्रमण के लिए आये बच्चों ने भी कतर्नियाघाट की खूबसूरती की मुक्तकंठ से सराहना की। बिछिया रेलवे स्टेशन मास्टर सुधांशु गिरी ने शैक्षिक भ्रमण पर आये छात्र-छात्राओं को गाड़ियों के परिचालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर निदेशक पर्यटन प्रखर मिश्रा, पर्यटन सूचना अधिकारी बहराइच मनीष श्रीवास्तव, विद्यालय के प्रधानाचार्य ओमकार नाथ मिश्रा, केमेस्ट्री लेक्चरर डॉ. सुमन लता, कतर्नियाघाट वनक्षेत्राधिकारी आशीष गौड़, डीसीआई मैलानी गाइड नावेद जिया आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठ चिकित्सक ने किया अभिनव मेडिकल स्टोर का फीता काटकर शुभारम्भ

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। थाना रूपईडीहा क्षेत्र अंतर्गत कस्बा बाबागंज में अभिनव मेडिकल स्टोर का भव्य शुभारंभ किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाबागंज चिकित्साधिकारी डा0 सुरेश कुमार गुप्ता ने वरिष्ठ समाजसेवी बाबादीन वर्मा व वरिष्ठ पत्रकार बनारस गिरि के साथ संयुक्त रूप से फीता काटकर अभिनव मेडिकल स्टोर का शुभारम्भ किया। इससे पहले वैदिक रीति रिवाज से पूजा, हवन, आरती की गई। ग्रामीण इलाके में दवा उपलब्धता की सरलता के उद्देश्य से कस्बे में मेडीकल स्टोर संचालित किया गया। मेडिकल स्टोर के प्रोपराइटर मनोज वर्मा ने बताया कि क्षेत्र के मरीजों को उचित मूल्य पर दवायें उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। मेडीकल स्टोर उद्घाटन के अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी बद्री सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रावेन्द्र नाथ शर्मा, संतोष मिश्रा, पूर्व प्रधान बलदेव प्रसाद सहित पाटनदीन वर्मा, विनोद गिरि, रामकुमार वर्मा, राजितराम वर्मा, ओमकार वर्मा, एडवोकेट शिवकुमार वर्मा, राकेश प्रताप सिंह, गुड्डू सिंह, रजनीश त्रिपाठी, वकील अहमद, रमेश सोनकर, अबू तालिब, कमला प्रसाद आर्य सहित क्षेत्र के सैकड़ो गणमान्य मौजूद रहे।

सीमान्त इंटर कॉलेज में आयोजित हुआ मैथ और चित्रकला प्रतियोगिता कार्यक्रम

- प्रतिभाओं ने बिखेरी कला और गणित की चमक
- महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक सहभागिता की मिसाल बनी प्रतियोगिता

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। वंडर एजुकेशन एबकस ट्रेनिंग सेंटर के तत्वावधान में एवं सहयोगी संस्था कसौधन महिला मंच, नेपालीगंज के संयुक्त प्रयास से सीमान्त इंटर कॉलेज में चित्रकला व स्पीडी मैथ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षक संतोष कुमार गुप्ता ने किया, जबकि संयोजन की भूमिका सोनाली गुप्ता ने निभाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ उमाशंकर वैश्य, विशिष्ट अतिथि सुभाष पांडे, संजय कुमार वर्मा और सरिता वैश्य अध्यक्ष कसौधन महिला मंच ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। चित्रकला प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में कृष्णा पांडेय, आरती वैश्य, काव्या गुप्ता और सेफाली गुप्ता ने निष्पक्ष मूल्यांकन कर विजेताओं का चयन किया। चित्रकला प्रतियोगिता सीनियर वर्ग में प्रथम निशीथा वैश्य एजीसी स्कूल, द्वितीय शिवांजली शुक्ला सीमान्त डिग्री कॉलेज, तृतीय अदिति सिंह सीमान्त डिग्री कॉलेज तथा चित्रकला जूनियर वर्ग में प्रथम हबीबा कुरैशी सीमान्त इंटर कॉलेज, द्वितीय वरन्या उपाध्याय सीमान्त इंटर कॉलेज, तृतीय आरुषि श्रीवास्तव सीमान्त इंटर कॉलेज एवं स्पीडी मैथ प्रतियोगिता में प्रथम रितुल अग्रवाल एजीसी स्कूल, द्वितीय सोनाक्षी मदेशिया सीमान्त डिग्री कॉलेज, तृतीय अदिति गोयल सीमान्त एजीसी स्कूल ने स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिभा, उनकी रचनात्मकता, गणितीय कौशल और कला के प्रति समर्पण की सभी उपस्थित जनों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। आयोजन में महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक सहभागिता की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। यह प्रतियोगिता न केवल विद्यार्थियों के कौशल को मंच प्रदान करने वाली साबित हुई, बल्कि समाज में शिक्षा, कला और जागरूकता के समन्वय का भी सुंदर उदाहरण बनी।

गांव भर मे चोर का शोर, एक ही रात मे चोरो ने तीन घरों को बनाया निशाना

पुलिसिया कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जिले के बसंतापुर गांव में एक ही रात तीन घरों में चोरों ने मचाया तांडव, नगदी समेत लाखों का जेवरात किया पार। खबर के मुताबिक जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत बसंतापुर गांव के तीन ग्रामीणों ने रविवार सुबह करीब सात बजे पुलिस में चोरी की शिकायत की है। सुरेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि बीती रात चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर सोने का मंगलसूत्र, झुमकी एवं चांदी की पायल सहित गेहूं बेचकर रखे अस्सी हजार रुपए नगद चुरा ले गए। रामविलास ने बताया कि चोर उनके घर दाखिल हुए और सामान खंगाल रहें थे। तभी पालतू तोते ने आवाज लगाई और जग गए। तभी चोर मौके से फरार हो गए। बीते दो तारीख को बेटी की शादी थी। कुछ रिश्तेदार ठहरे हुए हैं। इस लिए यहां चोर असफल रहे। गांव निवासी वृद्ध ननकई ने बताया कि चोर सोने की कील और तीन हजार रुपए नगद चुरा ले गए हैं। मेरे बेटे ने प्रदेश से न्योता करने के लिए भेजा था। थानाध्यक्ष जयदीप कुमार दुबे ने बताया कि जानकारी मिली है, चौकी प्रभारी शिवपुर को निर्देशित किया गया है एवं रात्रि गस्त बढ़ा दी गई है। जबकि चौकी प्रभारी शिवपुर राजेश पांडेय ने बताया कि जानकारी मिली है। मौके का मुआयना किया गया है। जांच के बाद खुलासा किया जाएगा।

कन्टेनर व ट्रक मे हुई भीषण टक्कर, वाहनों के उड़े परखच्चे

एक चालक की हुई मौत तो दूसरा गंभीर जख्मी

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर/बहराइच। जिले के सीतापुर चहलारी मार्ग पर शनिवार को कन्टेनर ट्रक व ट्रक मे भीषण टक्कर होने से वाहनों के परखच्चे उड़ गए। भयंकर टक्कर मे एक वाहन चालक की मौत हो गई तो वहीं दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हुआ है। आस पास के लोगों द्वारा सूचना नजदीकी पुलिस को दी गई जिस पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की है।

खबर के मुताबिक जिले के सीतापुर चहलारी मार्ग पर शनिवार समय करीब 3 बजे HR 67B 2947 कंटेनर ट्रक में पेंट लदा था। वाहन चालक अतुल पुत्र संतोष उम्र 30 वर्ष निवासी जाकिर पुरवा थाना पिहानी जनपद हरदोई व up 34 AT 3666 पर ट्रक पर बालू लदा था जिसके चालक मोनू पुत्र रामेश्वर उम्र 40 वर्ष निवासी मनान पुरवा थाना अटारिया जनपद सीतापुर का चहलारी घाट से पहले निकट सुखद राज सिंह पेट्रोल पंप के बगल में अनियंत्रित होने से दोनों का आमने सामने से जोरदार टक्कर हो गया। जिसमे HR 67B 2947 के चालक अतुल उपरोक्त की मौके पर मृत्यु हो गई। जबकि up 34AT 3666 के चालक मोनू उपरोक्त को गंभीर चोट आई है इलाज हेतु जिला अस्पताल बहराइच रवाना किया गया। मृतक के सम्बन्ध में आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण की गई है। आवागमन बाधित था जिसके दृष्टिगत डीसआर के माध्यम से क्रेन मंगवाकर रास्ता साफ कराया गया। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। वहीं अब आवागमन सुचारु है।

खैरीघाट पुलिस ने हत्या की घटना का किया सफल अनावरण, प्रेमी ही निकला कातिल

आलाकत्ल सहित अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जिले के रायपुर गांव मे बेटी के घर एक सप्ताह पूर्व आई महिला की बीते शुक्रवार को प्रेमी ने हत्या कर शव को फसल अवशेष के नीचे छुपा दिया था। मृतका की बेटी द्वारा स्थानीय थाने मे अज्ञात के विरुद्ध लिखित शिकायत देकर न्याय माँगा था। पुलिस की तहकीकात मे मृतका का प्रेमी ही निकला कातिल। घटनाक्रम मे पुलिस अधीक्षक बहराइच द्वारा पुलिस टीम गठित कर जनपदीय पुलिस इकाईयों की मदद से उक्त घटना के शीघ्र अनावरण करने हेतु निर्देशित किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल निरीक्षण, मुखबिर खास की सूचना, बयान गवाहान, पारिस्थितिकीय साक्ष्य, बीटीएस, सीडीआर अवलोकन आदि के माध्यम से घटना के अनावरण हेतु सतत प्रयास किये जा रहे थे। इसी क्रम में दिनांक 03.05.2025 को पुलिस टीम द्वारा वांछित अभियुक्तों की सुरागरसी पतारसी की जा रही थी, विवेचना के क्रम में मुखबिर खास से जानकारी प्राप्त हुई कि अभियुक्त राजेश चौधरी पुत्र सियाराम चौधरी निवासी मुकाम दा0 निबिया हुसैनपुर, थाना रिसिया, जनपद बहराइच घटना के दिन घटनास्थल ग्राम रायपुर, थाना खैरीघाट में मौजूद था। जिसकी पुष्टि सीडीआर से पाई गयी तथा सीडीआर के अवलोकन से यह पाया गया कि वह दिनभर मृतका से मोबाइल पर बात कर रहा था जिससे शक के आधार पर राजेश से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा जुर्म इकबाल करते हुए बताया गया कि मृतका उम्र करीब 45 वर्ष निवासिनी शेखनडीहा थाना मटेरा का विगत 04 वर्षों से प्रेम प्रसंग राजेश के साथ चल रहा था और वह अपने पति को छोड़कर उसके साथ रहती थी। परन्तु हाल के कुछ महीनों में राजेश अपनी पहली पत्नी के साथ रहने लगा था जिससे राजेश और मृतका के बीच मतभेद बढ़ने लगा। जिस कारण मृतका अपनी छोटी बेटी के ससुराल में रह रही थी। जिससे राजेश नाराज व आक्रोशित था जिसके चलते राजेश साजिशन दिनांक 01.05.2025 को रायपुर पहुँचा और शाम को मृतका को मिलने बुलाया जहाँ राजेश ने मृतका को शराब पिलाया और देर रात मृतका को घटनास्थल मड़हे में ले गया और उसके पेट पर चाकू से वार कर हत्या कर दी और शव के ऊपर भूसा व पुवाल डालकर फरार हो गया। घटना के अनावरण पर अभियुक्त की निशानदेही पर घटनास्थल के पास पुलिया के बगल झाड़ी से आलाकत्ल चाकू भी बरामद किया गया। अभियुक्त राजेश चौधरी उपरोक्त को न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशों निर्देशों का पालन करते हुए थानाध्यक्ष जयदीप दूबे, उ0नि0 अजीत कुमार मौर्य, हे0का0 दयानन्द सिंह, का0 सन्तोष चौधरी, म0का0 अंजूलता द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु रवाना किया गया।

जातीय जनगणना को मंजूरी पर कांग्रेस ने मनाया जश्न

सुल्तानपुर में निकाली धन्यवाद यात्रा, जिलाध्यक्ष बोले-मोदी सरकार ने राहुल गांधी के आगे घुटने टेके

अमन लेखनी समाचार

जातीय जनगणना को मंजूरी दिए जाने पर कांग्रेस कार्यकताओं ने जश्न मनाया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर सुल्तानपुर शहर में धन्यवाद जुलूस निकाला गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा और शहर अध्यक्ष शकील अंसारी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने रैली निकाली। जुलूस लाल डिग्गी चौराहा से शुरू होकर सुपर मार्केट, डाकखाना चौराहा और नगर पालिका होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचा। फिर विकास भवन, जिला पंचायत कार्यालय, तिकोनिया पार्क और पंत स्टेडियम होते हुए कांग्रेस कार्यालय पर समाप्त हुआ। जिलाध्यक्ष राणा ने कहा कि राहुल गांधी ने संसद, रैलियों और प्रेस कॉन्फ्रेंस में जातीय जनगणना की मांग उठाई थी। जिसके आगे मोदी सरकार ने घुटने टेके हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने किसान विरोधी कृषि कानूनों का भी विरोध किया था। नोटबंदी पर भी उनकी आशंकाएं सही साबित हुईं। कोविड काल से पहले भी उन्होंने महामारी की गंभीरता को लेकर चेतावनी दी थी। पूर्व प्रदेश सचिव रणजीत सिंह सलूजा ने कहा कि राहुल गांधी ने सदन में जातीय जनगणना का बिल पास कराने की बात कही थी। उनके दबाव के कारण सरकार ने इसे मंजूरी दी है। जुलूस में वरिष्ठ नेता अपरबल सिंह, राहुल त्रिपाठी, ममनून आलम, हामिद राईनी, सुब्रत सिंह सनी, आवेश अहमद, अतहर नवाब, सुनील सिंह चौहान, हौसिला प्रसाद भीम, सुरेश चंद्र मिश्र, नफीस फारुकी, जयप्रकाश तिवारी, अनवर शाही, राम भवन पांडे, हाफिज जहांगीर, शिव पूजन कनौजिया, मनोज तिवारी प्रधान, पवन मिश्र कटावा, मोहम्मद अतीक, मोहसिन सलीम, फरहान अहमद, जनेश्वर उपाध्याय, प्रदीप सिंह, संतोष तिवारी, अरशद पवार, अतिउल्लाह अंसारी, अशोक सिंह, सिराज अहमद, देवेंद्र तिवारी, नितिन मिश्रा, कुर्बान, फैजान शीतला साहू आदि लोग शामिल रहे।

कैंसर मरीजों को मिल रहा बेहतर इलाज

जिला अस्पताल में 5 बेड आरक्षित, कल्याण सिंह इंस्टीट्यूट में हो रहा विशेष उपचार

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, कैंसर पीड़ित मरीजों को सीएमओ के निर्देशन में समुचित इलाज दिया जा रहा है। जिला अस्पताल समेत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कैंसर मरीजों के प्राथमिक उपचार के लिए पांच-पांच बेड की व्यवस्था की गई है। सभी ब्लॉक स्तर पर सीएचओ द्वारा कैंसर रोगियों की स्क्रीनिंग की जा रही है। प्राथमिक इलाज के बाद मरीजों को आगे के उपचार के लिए कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट रेफर किया जाता है। जिले में मुख्य रूप से ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर के मरीज मिल रहे हैं। सीएमओ अंशुमान सिंह ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मरीजों की स्क्रीनिंग की जाती है। स्क्रीनिंग में कैंसर पॉजिटिव पाए जाने वाले मरीजों को कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट भेजा जाता है। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल से जिले के कैंसर मरीजों को अब बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल रही हैं। सीएमओ स्वयं इस व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं।

बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान

मक्का, ज्वार, बाजरा और मूंग की फसलें प्रभावित, किसानों ने प्रशासन से मांगी मदद

अमन लेखनी समाचार

मथुरा, बेमौसम बारिश और आंधी-तूफान ने किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। मूसलाधार बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है। बलदेव क्षेत्र में लगातार बारिश का असर दिखाई दे रहा है। जगह-जगह जलभराव हो गया है। बारिश थमते ही किसान अपने खेतों की ओर पहुंचे। उन्होंने देखा कि मक्का, ज्वार, बाजरा और मूंग की फसलें बारिश और आंधी-तूफान से प्रभावित हुई हैं। गांव धघैंटा, नगला विधि के निवासी अवधेश रावत ने बताया कि फसलों में करीब 40 प्रतिशत तक नुकसान की आशंका है। किसान विजय सिंह ने कहा कि बेमौसम बारिश से उनकी खड़ी फसल को 90 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। किसानों का कहना है कि इस बे मौसम बारिश से बर्बाद हुई फसलों के कारण अब किसान पूरी तरह से बर्बाद हो जाएंगे। किसानों ने फसलों के नुकसान का आकलन कराने के लिए मथुरा जिला प्रशासन और एसडीएम को सूचित किया है। एसडीएम महावन आदेश कुमार ने कहा कि बारिश से हुई फसलों के नुकसान का आकलन कराया जाएगा। नेपाल की टीम क्षेत्र में सर्वे के लिए भेजी जा रहे हैं जिन क्षेत्रों में नुकसान हुआ है उनके जल्द ही आकलन कर सरकार को भेजा जाएगा।

संक्षेप

दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे

रास्ते में बाइक खड़ी करने को लेकर हुआ विवाद, अचानक बांस-बल्ली लेकर आए लोग

गाजियाबाद, एक परिवार पर हमला बोल दिया। सरेआम लाठी डंडे लेकर मारपीट की जा रही है। किसी के हाथ में लाठी डंडे हैं, तो कोई फावला लेकर सिर कलम करने चला। वीडियो सामने आने के बाद मसूरी थाना पुलिस के लिए मौके पर पहुंची। अब पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपियों को चिह्नित कर रही है। मारपीट की यह घटना गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र के निडोरी गांव की है। जहां महराज का पड़ोस में रास्ते को लेकर विवाद चल रहा है। यह गली संकरी है, जहां दोनों ही पक्ष मुस्लिम समुदाय से हैं। कभी रास्ते में बाइक खड़ी करने को लेकर कहासुनी होती है तो कभी नाली में कूड़े को लेकर विवाद हो जाता है। दबंगों ने मारपीट कर दी। निर्माणाधीन घर के बाहर रास्ते में बल्ली लगी हैं, गनीमत रही कि वह नहीं गिरी। जिसमें महिलाओं के साथ भी मारपीट की। कोई लाठी लेकर मारपीट कर रहा है, तो किसी के हाथ में फावला है। इंस्पेक्टर मसूरी अजय कुमार का कहना है कि वीडियो एक दिन पहले निडोली गांव की है। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। एफआईआर दर्ज कर मारपीट करने वालों को चिह्नित किया जा रहा है। जिसमें संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया जा रहा है।

फेशियल कराने पहुंची क्लाइंट के कुंडल गायब

मेरठ में ब्यूटी पार्लर पर महिलाओं का हंगामा, बोली पहले भी हो चुकी ऐसी घटना

मेरठ, नौचंदी थानाक्षेत्र के डी ब्लॉक में ब्यूटी पार्लर के बाहर महिलाओं और कालोनी के लोगों ने हंगामा कर दिया। आरोप है कि ब्यूटीपार्लर में फेशियल कराने आने वाली महिलाओं से ज्वैलरी लूटी जाती है। ब्यूटीपार्लर में कई बार ऐसा हो चुका है। आज शुक्रवार को इलाके की महिलाएं काफी संख्या में ब्यूटीपार्लर पर पहुंचकर हंगामा कर रही हैं। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं महिलाओं को शांत कराने में जुटी है। डीब्लॉक में एनफिनिटी नाम से एक ब्यूटीपार्लर है। यहां अक्सर महिलाएं ब्यूटी सर्विस लेने आती हैं। महिलाओं का आरोप है कि इस ब्यूटी पार्लर में फेशियल करने के दौरान कुंडल लूटे जाते हैं। महिलाओं ने कहा कि हाल में ही एक और ऐसी घटना हुई है। जब महिला यहां फेशियल कराने आए इस दौरान उसके सोने के कुंडल गायब कर दिए गए। महिलाओं ने कहा कि फेशियल क्रीम में कुछ नशीली चीज मिलाकर उसे चेहरे पर लगा दिया जाता है। इससे क्लाइंट थोड़ी देर के लिए बेसुध हो जाती है। इस बीच उसके कुंडल निकाल लेते हैं। जब महिला घर जाकर ज्वैलरी चैक करती है तो कुंडल गायब मिलते हैं। बाद में जब ब्यूटी पार्लर पर शिकायत करने आओ तो वो साफ इंकार कर देती है। बताया जा रहा है कि इस ब्यूटीपार्लर में पहले भी ऐसी घटना हो चुकी है। इसलिए स्थानीय व्यापार संघ भी उसे पक्ष में नहीं है। डी ब्लॉक वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष नवनीत शुक्ला का कहना है कि पिछले 2 साल से यह पार्लर संचालित है।

एक देश- एक चुनाव पर प्रयागराज में प्रबुद्ध सम्मेलन

भाजपा काशी प्रांत अध्यक्ष बोले- समय, धन और ऊर्जा की होगी बचत

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, नैनी स्थित यूनाइटेड कॉलेज में रविवार को एक देश एक चुनाव विषय पर प्रबुद्ध सम्मेलन आयोजित किया गया। काशी प्रांत भाजपा अध्यक्ष दिलीप कुमार पटेल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। दिलीप कुमार पटेल ने कहा कि एक देश एक चुनाव से भारत का लोकतंत्र मजबूत होगा। बार-बार चुनाव से आर्थिक संसाधनों की बबार्दी होती है। इससे प्रशासनिक कार्य और विकास योजनाएं भी प्रभावित होती हैं। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने से समय और धन की बचत होगी। करछना विधायक पीयूष रंजन निषाद ने बताया कि एक साथ चुनाव से मतदाताओं को सुविधा मिलेगी। इससे मतदान प्रतिशत बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव से अनिश्चितता का माहौल बनता है। एक साथ चुनाव से नीतियों में स्थिरता आएगी और विकास को गति मिलेगी। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष यमुनापार राजेश शुक्ला, निवर्तमान जिला अध्यक्ष विभव प्रजापति समेत कई ब्लॉक प्रमुख मौजूद रहे। इनमें करछना के कमलेश द्विवेदी, कौंधियारा के इंद्रनाथ मिश्रा और चाका के अनिल पटेल शामिल थे।

जिला महामंत्री पुष्पराज पटेल सहित अन्य पदाधिकारी और क्षेत्र के लोग भी उपस्थित रहे।

43 केंद्रों पर नीट-यूजी की परीक्षा

कड़ी सुरक्षा के बीच अभ्यर्थियों को दी गई एंट्री, जूते उतरवाए; लेट आने पर नहीं मिला प्रवेश

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, 43 परीक्षा केंद्र पर नीट की परीक्षा हो रही है। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं। इसके प्रदेश के नोडल के रूप में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह को जिम्मेदारी दी गई है।

उन्होंने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को पत्र भेजकर परीक्षा केंद्रों पर बेहतर व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए हैं।

राज्य नोडल अधिकारी भगवती सिंह ने बताया कि 3 से 4 केंद्रों के समूह के लिए जिला प्रशासन से एक नोडल अधिकारी और प्रत्येक परीक्षा केंद्र के लिए एक नोडल पुलिस अधिकारी तैनात किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर व आसपास किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को नहीं रहने दिया जाएगा। मोबाइल या अन्य किसी भी तरह की संदिग्ध चीजें परीक्षार्थी अंदर लेकर नहीं जा सकते हैं। इसके लिए परीक्षा केंद्र पर ही गहन तलाशी भी ली जाएगी। वहीं, परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी से भी परीक्षा की निगरानी की जाएगी। परीक्षा केंद्र व्यवस्थापकों को पहले ही परीक्षा संबंधित गाइडलाइन दिए जा चुके हैं। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

सेंट्रल नोएडा में पुलिस मुठभेड

दो बदमाश घायल, एक गिरफ्तार; चोरी की 3 कारें और हथियार बरामद

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, सेंट्रल नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में दो बदमाश घायल हुए और एक को गिरफ्तार किया गया। सूरजपुर पुलिस को मोजर बीयर गोलचक्कर पर चेकिंग के दौरान सूचना मिली। रेलवे लाइन के पास जंगल में कुछ संदिग्ध लोग चोरी की कारों के साथ मौजूद थे। पुलिस ने जब उन्हें रोका तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी

कार्रवाई में दो बदमाश घायल हो गए। घायल बदमाशों की पहचान लोनी गाजियाबाद के बिट्टू उर्फ प्रवेश कसाना (24) और महोबा के गोलू उर्फ रवि जाटव (24) के रूप में हुई। कॉम्बिंग के दौरान गाजियाबाद के टीला मोड़ से नवीन (26) को भी गिरफ्तार किया गया। बदमाशों से दो पिस्टल 32 बोर, एक तमंचा 315 बोर, कारतूस और तीन चोरी की कारें बरामद हुईं। बरामद थार और स्कॉर्पियो कार के संबंध में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। घायल बदमाशों को अस्पताल भेजा गया है। पुलिस बदमाशों के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

10वीं में फेल छात्रा की संदिग्ध मौत

छोटे भाई ने छत से कूदकर देखा, कमरे में चादर से लटकी मिली

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, दौराला थाना क्षेत्र के अछौता गांव में 10वीं कक्षा की छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्रा घर के अंदर कमरे में चादर से लटकी मिली। छात्रा यूपी बोर्ड हाईस्कूल की परीक्षा में फेल हो गई थी। घरवालों का कहना है कि इसी से परेशान होकर उसने जान दे दी है। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मेरठ के दौराला थाना क्षेत्र के गांव अझौता में एक छात्रा का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका की पहचान 17 वर्षीय अजरा के रूप में हुई है, जो हाई स्कूल की छात्रा थी। बताया गया कि शुक्रवार को अजरा घर पर ही थी। अजरा का छोटा भाई सबसे छोटी बहन को सुबह स्कूल छोड़ने गया। पीछे से घर में अजरा अकेली थी। स्कूल की छुट्टी होने के कारण भाई, बहन दोनों जल्दी ही घर वापस आ गए। घर आए तो देखा कि घर का मेन दरवाजा अंदर से बंद है। भाई ने पुलिस को बताया कि उन दोनों ने काफी देर तक दरवाजा पीटा लेकिन बहन ने दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद छोटा भाई पड़ोसी की छत के जरिए अपने घर की छत पर कूदा। सोचा वहां से बड़ी बहन को आवाज लगाकर दरवाजा खुलवाएगा। लेकिन जब भाई ने छत से कूदकर नीचे मकान में झांका तो देखा कि बहन फंदे पर लटकी थी। उसने चादर से खुद को फांसी पर लटका लिया था। इसके बाद छोटे भाई ने 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस को बुलाया। भाई चीखा और पड़ोसियों को बुलाकर पूरा वाकया बताया। हंगामा और पुलिस के आने के बाद अजरा की मां भी काम छोड़कर अपने घर पहुंची। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। छात्रा ने घर का मेन दरवाजा अंदर से बंद किया। इसके बाद कमरे में जाकर पंखे से चादर का फंदा बनाकर लटककर फांसी लगा ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों ने बताया कि अजरा की पिता कय्यूम पिछले पांच वर्षों से लापता हैं, जबकि उसकी मां असरा अंसल टाउन कॉलोनी में मकान में काम करने जाती हैं।

इब्राहिमपुर माजरा में शराब ठेके का विरोध

घनी आबादी में ठेका खुलने से नाराज ग्रामीणों ने डीएम से की शिकायत

अमन लेखनी समाचार

बागपत, रमाला थाना क्षेत्र स्थित इब्राहिमपुर माजरा गांव में शराब के ठेके को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों ने घनी आबादी में खोले गए शराब ठेके का विरोध करते हुए जिला मुख्यालय पहुंचकर डीएम से शिकायत की है। ग्रामीणों का आरोप है कि आबकारी विभाग की टीम और पुलिस ने मिलकर रिहायशी इलाके में शराब का ठेका खोल दिया है। इससे क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं

बढ़ रही हैं। शराब खरीदने आने वाले लोग मारपीट और अन्य आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि शराब ठेके का स्कूली बच्चों पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कई बार शिकायत की, लेकिन न तो कोई कार्रवाई हुई और न ही ठेके का स्थान बदला गया। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि विरोध करने पर रमाला पुलिस उन्हें जेल भेजने की धमकी देती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

नमकीन फैक्ट्री में लगी आग

❍ घनी आबादी में स्थित फैक्ट्री में तीन दमकल गाड़ियों ने एक घंटे में पाया काबू, लाखों का नुकसान

अमन लेखनी समाचार

बागपत, शहर कोतवाली क्षेत्र के महावीर वाली गली में स्थित नमकीन फैक्ट्री में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, आग पर काबू नहीं पा सके। फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। स्थानीय निवासी कुणाल के अनुसार, इसी फैक्ट्री में 4 वर्ष पहले भी आग लगी थी। उस समय फैक्ट्री मालिक को घनी आबादी से दूर फैक्ट्री स्थापित करने को कहा गया था। लेकिन फैक्ट्री मालिक नरेश गुप्ता ने स्थानीय लोगों की बात नहीं मानी। आज अचानक फैक्ट्री से धुआं निकलने लगा। कुछ ही देर में आग ने

विकराल रूप ले लिया। घनी आबादी के बीच स्थित फैक्ट्री में आग लगने से स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना रहा। आग बुझने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। इस घटना में फैक्ट्री मालिक को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

स्कूल में हिजाब पर एंट्री बैन मामले में बैठी जांच

डीआईओएस ने स्कूल से मांगा जवाब, सीसीटीवी की फुटेज भी मंगाई

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, खालसा गर्ल्स इंटर कॉलेज में हिजाब पहनकर स्कूल पहुंची छात्रा को एडमिशन से रोकने के मामले में जांच बैठ गई है। डीआईओएस राजेश कुमार ने पूरे मामले का संज्ञान लिया है। उक्त टीचर को पूछताछ के लिए बुलाया है। साथ ही स्कूल के सीसीटीवी फुटेज भी मांगी है। बता दें कि मेरठ के थापर नगर स्थित खालसा गर्ल्स इंटर कॉलेज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। इसमें छात्रा स्कूल ऑफिस में बैठी है। उसकी एक टीचर से हिजाब पर बहस होती दिख रही है। पूरे मामले में मेरठ के डीआईओएस राजेश कुमार का कहना है कि मीडिया के जरिए हमें खालसा गर्ल्स इंटर कॉलेज जो अल्पसंख्यक संस्था है उसका प्रकरण सामने आया है। वहां हिजाब से जुड़ा मामला सामने आया है। वीडियो के आधार पर जांच समिति गठित कर मामले को चैक कराया जाएगा। जांच का विषय है कि वो महिलाएं हैं या छात्राएं हैं जो आरोप लगा रहे हैं। स्कूल के सीसीटीवी भी चैक किए जा रहे हैं। खालसा स्कूल में बोर्ड परीक्षाओं का सेंटर भी रहता है। स्कूल प्रिंसिपल ने बताया कि दो बच्चयों का प्रवेश कराने आई थी टीचर ने कहा था कि चेहरा दिखाने के लिए कहा इसी बात पर वो नाराज हो गईं। सोशल मीडिया पर खालसा स्कूल का एक वीडियो सामने आया। वीडियो में स्कूल ऑफिस में बैठी एक टीचर दिख रही हैं। जिनकी वीडियो बनाने वाली छात्रा से बहस हो रही है। छात्रा ने यह वीडियो बनाने के बाद इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करवाना शुरू कर दिया। छात्रा का आरोप है कि स्कूल में उसे हिजाब उतारने को कहा गया। जबकि, ऐसा कोई नियम नहीं हैं। स्कूल मैनेजमेंट का कहना है कि हिजाब उतारने जैसी कोई बात नहीं हुई। हमारे यहां कई मुस्लिम बच्चियां पढ़ती हैं। सभी के लिए स्कूल में समान नियम है। यह वीडियो गलत वायरल किया जा रहा है।

जानबूझकर स्कूल की छवि खराब करने के लिए यह वीडियो बनाकर शेयर किया गया है।

छेड़छाड़ से परेशान युवती

एक माह से घर में कैद, झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, मुरादनगर में एक युवती को झोलाछाप डॉक्टर द्वारा लगातार परेशान किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता डर के कारण पिछले एक माह से घर से बाहर नहीं निकल पाई है। पीड़िता की मां ने बताया कि उनकी कॉलोनी में एक युवक डॉक्टर की दुकान चलाता है। वह काफी समय से उनकी बेटी को परेशान कर रहा है। आरोपी धमकी देता है कि चाहे कितनी भी

शिकायत कर लो, वह पीड़िता को नहीं छोड़ेगा। मामले में दोनों पक्षों के अलग-अलग समुदाय के होने के कारण क्षेत्र में तनाव की स्थिति है। पीड़िता की मां ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को पत्र लिखकर झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसीपी मसूरी सर्किल के अनुसार, शिकायत के आधार पर आसिफ नामक व्यक्ति के खिलाफ मुरादनगर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

छात्राओं के लिए नए कोर्स की मांग

लाडली फाउंडेशन ने गणित और कॉमर्स विषय शुरू करने का प्रस्ताव रखा

अमन लेखनी समाचार

मोदीनगर, मोदी साइंस एंड इंटर कॉलेज में छात्राओं के लिए नए शैक्षणिक अवसर खुल सकते हैं। लाडली फाउंडेशन ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने कॉलेज प्रबंधक सतीश चंद्र अग्रवाल से मुलाकात की। पश्चिम उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अमित गोयल ने इंटरमीडिएट में छात्राओं के लिए गणित और कॉमर्स विषय शुरू करने का प्रस्ताव रखा। यह कदम विशेष रूप से गरीब, किसान और मजदूर परिवारों की बेटियों के लिए महत्वपूर्ण है। वर्तमान में कई छात्राएं निजी विद्यालयों की उच्च फीस के कारण अपनी पसंद के विषयों में शिक्षा नहीं ले पा रही हैं। प्रबंधक सतीश चंद्र अग्रवाल ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने डॉ. डी.के. मोदी से इस विषय पर चर्चा करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने छात्राओं के भविष्य के लिए यह मुद्दा उठाने के लिए फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर हरिंदर शर्मा, निर्दोष खटाना, जगदीश मदान, राहुल गुर्जर, मधुसूदन शर्मा, नीलम त्यागी, रितु अग्रवाल, पूनम नेहरा, सपना गुप्ता और कनिका जिंदल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मोबाइल टावर से आरआरयू चोरी करने वाला गिरोह पकड़ा

❍ 8 आरोपी गिरफ्तार, 35 आरआरयू समेत 3.50 करोड़ का माल बरामद

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा पुलिस ने मोबाइल टावरों से आरआरयू चोरी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। सूरजपुर थाना पुलिस और सीआरटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 35 चोरी के आरआरयू, एक वैगनआर कार और अन्य सामान बरामद हुआ है। बरामद माल की कीमत लगभग 3.50 करोड़ रुपए है। गिरफ्तार आरोपियों में सलीम मलिक, अब्बास मलिक, सोहेल कुरेशी, शाहनवाज, शानू मलिक, शानू, इमरान और सलमान कुरेशी शामिल हैं। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी के अनुसार, आरोपी दिन में मोबाइल टावरों की रेकी करते थे। रात में गाड़ी, ऑटो या बाइक से नोएडा, दिल्ली-एनसीआर और अन्य राज्यों में जाकर टावरों से आरआरयू, बैटरी और कीमती सामान चुराते थे। चोरी का सामान चीन भेजा जाता था। एक आरआरयू की कीमत करीब 14 लाख रुपए है। आरोपी चोरी के माल की बिक्री से मिले पैसे आपस में बांट लेते थे। गिरोह के कुछ सदस्य अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पकड़े गए सभी आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी।

महाराजा छत्रसाल की जयंती पर संस्था द्वारा दी गई श्रद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर |देश के लिए देशभक्तों की भूमिका के मद्देनजर वर्णिता संस्था के तत्वावधान में विमर्श विविधा के अन्तर्गत जिनका देश ऋणी है के तहत एक बेजोड़ बुन्देला शासक महाराजा छत्रसाल की जयंती 4 मई पर श्रद्धांजलि देते हुए संस्था के अध्यक्ष डा भवानीदीन ने कहा कि छत्रसाल सही अर्थों में सन्घर्षी अवधारणा के अग्रदूत थे, उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है, पुरोध्त्व के कारण ही छत्रसाल बुन्देलखण्ड केसरी कहलाये, ये 1731तक अपने जीवन के लगभग आठ दशकों में हमेशा देश के लिए मुगल शासकों से युद्ध किया, औरंगजेब को पराजित किया, बुन्देलखण्ड में स्वतंत्र राज्य की स्थापना की, शिवाजी इनके राजनीतिक गुरु थे, इन्हें महाराजा की पदवी भी मिली, छत्रसाल ने बाजीराव प्रथम के साथ मिलकर बन्गस को भी हराया, पन्ना इनके राज्य की राजधानी थी,इनका जीवन काल 4 मई 1649 से लेकर 20 दिसम्बर 1731तक रहा।

समाज सेवा में अग्रणी निष्पक्ष मीडिया फाउंडेशन ने मुरैना, मिजार्पुर और बहराइच में की संगठनात्मक नियुक्तियां

अमन लेखनी समाचार

मुरैना/मिजार्पुर/बहराइच : वर्तमान समय में समाज को धर्म और जाति के नाम पर बांटने के प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं निष्पक्ष मीडिया फाउंडेशन "सर्वधर्म समभाव" और समाज सेवा के संकल्प के साथ समाज को जोड़ने का कार्य कर रहा है। इसी क्रम में संगठन का विस्तार करते हुए मुरैना जिले से वीरेंद्र मधुरिया को राष्ट्रीय सचिव, मिजार्पुर से हिमांशु श्रीवास्तव को जिला अध्यक्ष, तथा बहराइच से कमल किशोर श्रीवास्तव को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

संगठन कर रहा है मानव सेवा के सराहनीय कार्य

निष्पक्ष मीडिया फाउंडेशन का उद्देश्य सिर्फ समाचार देना नहीं बल्कि समाज सेवा में भागीदारी निभाना भी है। यह संस्था रक्तदान को बढ़ावा देकर न सिर्फ जरूरतमंदों की जान बचा रही है, बल्कि दानदाताओं के स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित रक्तदान से हार्ट अटैक की संभावना 80% तक कम हो जाती है। संस्था के हेल्पलाइन नंबर 6388423335 पर संपर्क कर कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है या जरूरतमंद को रक्त दिलाने में मदद पा सकता है।

गंभीर बीमारियों में सहायता का भरोसा

संस्था द्वारा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में भी सहायता दी जा रही है। झांसी, हरदोई, सुल्तानपुर, गोंडा, देवरिया, फैजाबाद और प्रतापगढ़ जैसे जिलों में मरीजों को मदद दी गई है। बरेली में एक मरीज को निजी अस्पताल से निकालकर लखनऊ मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए शिफ्ट किया गया, वहीं गोरखपुर में एक परिवार को लिवर ट्रांसप्लांट के लिए लगभग 2 लाख की आर्थिक सहायता दी गई।

पशु संरक्षण से लेकर वन्यजीवों की भी चिंता

झांसी में घायल गाय के इलाज की व्यवस्था से लेकर रांची में कुएं में गिरे भालू की जान बचाने तक, संस्था ने प्रशासन के सहयोग से कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

महिला और निर्धनों के लिए भी मदद का हाथ

कानपुर की एक गरीब महिला की बेटी की शादी के लिए लगभग 38,000 की मदद दी गई। राजस्थान दौसा में गायब महिला को 27 दिन बाद प्रशासन के सहयोग से उसके परिवार से मिलवाने का कार्य भी संस्था ने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से सफलतापूर्वक किया।

संस्था के प्रेरणा स्रोत जयप्रकाश श्रीवास्तव

लगभग 10 वर्षों से समाज सेवा में जुटे जयप्रकाश श्रीवास्तव संस्था के मार्गदर्शक हैं। वे अखिल भारतीय दिव्यांग महिला सुरक्षा सेना ट्रस्ट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, चित्रांश वंशज महासभा के राष्ट्रीय मार्गदर्शक, कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय सचिव, कायस्थ संघ अंतरराष्ट्रीय के राष्ट्रीय सचिव, तथा प्रतापगढ़ प्रेस क्लब के सम्मानित सदस्य भी हैं। वे विधवाओं और दिव्यांगजनों के हक के लिए लगातार आवाज उठाते रहे हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर परामर्श केन्द्र का हुआ आयोजन

कानून व्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही खाकी कर रही रिश्तों को भी मजबूत।

छोटी–मोटी बातों व गलत फहमियों के कारण अलग हुए दम्पत्तियों को पुलिस द्वारा लगातार समझा–बुझाकर कराया जा रहा एक।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निदेर्शानुसार जनपद में ह्लमिशन शक्तिह्व नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में आज दिनांक 04.05.2025 को अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह के नेतृत्व में महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर परामर्श केन्द्र का आयोजन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के नेतृत्व में महिला थाना रॉबर्ट्सगंज में पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संम्बंध में 06 वैवाहिक जोड़ों की काउंसलिंग की गयी। काउंसलिंग के दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति-पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह-समझौता कराते हुए साथ में रहने हेतु प्रेरित किया गया जिससे 04 जोड़ा पति-पत्नी राजी-खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए। इसके अतिरिक्त 02 प्रकरण में अग्रिम तिथि नियत की गई।

जनसभा में ब्राह्मण समाज की एकता अखंडता सुदृढ़ करने का प्रण लिया

अमन लेखनी समाचार

गोसाईगंज |सुशान्त गोल्फ सिटी के अहमामऊ स्थित बालाजी लॉन में राविवार को ब्राम्हण परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवशंकर अवस्थी द्वारा भगवान परशुराम के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण करते हुए जनसभा आयोजित की गई। इस अवसर पर राम केवल मिश्र,कमल, संगठन मंत्री अरविन्द मिश्र, राजकीय अधिवक्ता, उच्च न्यायालय सहित अनेक पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय वरिष्ठ , युवा ब्राह्मण जनों द्वारा सहभागिता की गई। जनसभा का प्रारम्भ भगवान परशुराम का दीप प्रज्ज्वलित के उपरांत विगत दिनों कश्मीर में आतंकियों द्वारा की गई जघन्य हत्याओं की निंदा करते हुए शोक व्यक्त किया गया। जनसभा में अनेकों विद्वजनो द्वारा अपने संगठन एवं देश की एकता, अखंडता की चर्चा करते हुए ब्राह्मण समाज की एकता पर विचार प्रकट किए। वक्ताओं द्वारा जनसभा को संबोधित करते हुए ब्राह्मण समाज की एकता अखंडता सुदृढ़ करने प्रण किया गया।

जनसभा के आयोजन में मुख्य रूप से देवी शरण त्रिवेदी, मोनार प्रदीप द्विवेदी, मुरली शंकर बाजपेई व कृष्ण कुमार त्रिपाठी, प्रमोद द्विवेदी (मुन्ना) तथा अर्जुनगंज क्षेत्र व आसपास के निवासियों की भूमिका सराहनीय रहीह्ल जन सभा का संचालन राष्ट्रीय कवि अशोक कुमार पाण्डेय (अनहद) द्वारा की गई। अनहद जी ने अपनी कविता के माध्यम से भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डाला। जिसे सुनकर लोगो ने खूब तालियां बजाई।

शादी का झांसा देकर लड़का पक्ष से पैसा, जेवरात लेकर फरार हो जाने के प्रकरण में एक अभियुक्ता को किया गया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण/नेतृत्व में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा मु0अ0सं0-450/2025 धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) भारतीय न्याय संहिता, थाना रावर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र से सम्बन्धित एक नफर अभियुक्ता पुष्पा पत्नी विकास निवासी सलखन नौका टोला थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 29 वर्ष जो अपने गिरोह के साथ मिलकर शादी करने हेतु बाहरी लोगो को बुलाकर अपने जाल मे फंसाकर शादी का नाटक करके लड़का पक्ष से पैसा, रुपये एवं जेवरात लेकर फरार हो जाने के सम्बन्ध मे प्राप्त सूचना के आधार पर अभियोग पंजीकृत किया गया था।आज दिनांक04.05.2025 को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा उक्त अभियुक्ता को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय रवाना किया गया।

पूर्व न्यायिक अधिकारी के फार्महाउस में तैनात चौकीदार ने शराब के लिए पैसे न मिलने पर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज |निगोहां थाना क्षेत्र के शेरपुर लवल गांव में शनिवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जिसने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया गांव के बाहरी हिस्से में स्थित हाईकोर्ट के रिटायर्ड पूर्व न्यायिक अधिकारी के फार्महाउस में तैनात चौकीदार सुशील कुमार सिंह (45) ने शराब के लिए पैसे न मिलने पर अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

मृतक की पहचान सुशील कुमार सिंह, पुत्र स्वर्गीय जगत प्रताप सिंह के रूप में हुई है वे फार्महाउस परिसर में ही अपनी पत्नी शालू सिंह (40), बेटे शिवा सिंह (17) और बेटी वैष्णवी सिंह (15) के साथ निवास कर रहे थे परिवारजनों के अनुसार, सुशील कुमार बीते कई वर्षों से शराब के आदी थे और अक्सर नशे की हालत में रहते थे। पिछले दो दिनों से वे शराब के लिए पैसे मांगते हुए परिवार से झगड़ा कर रहे थे शनिवार को भी इसी बात को लेकर घर में विवाद हुआ जब पत्नी ने पैसे देने से इनकार कर दिया, तो गुस्से में आकर उन्होंने अपने कमरे में खुद को बंद कर लिया |कुछ देर बाद जब वे बाहर नहीं निकले तो बेटे शिवा को संदेह हुआ पिता को कई बार आवाज देने के बावजूद जब कोई उत्तर नहीं मिला, तो शिवा ने दरवाजा तोड़ा अंदर का दृश्य देख शिवा के होश उड़ गए–सुशील फांसी के फंदे से लटके मिले जिन्हें परिवार के लोग आनन-फानन उन्हें सीएचसी मोहनलालगंज लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया इस घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई ग्रामीणों ने बताया कि सुशील एक शांत स्वभाव के मेहनती व्यक्ति थे और कभी किसी से किसी प्रकार का विवाद नहीं रहा। उनका इस तरह से जाना सभी के लिए अत्यंत दुखद है सूचना मिलते ही निगोहां थाना प्रभारी अनुज तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है थाना प्रभारी अनुज तिवारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है वहीं एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़.....

मृतक के असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है पत्नी और दोनों बच्चे गहरे सदमे में हैं घर का एकमात्र कमाऊ सदस्य होने के कारण अब परिवार की आर्थिक स्थिति भी चिंता का विषय बन गई है।

जिले के 6 परीक्षा केंद्रों पर सकुशल संपन्न हुई नीट यूजी की प्रवेश परीक्षा

अमन लेखनी समाचार

गाजीपुर जिले में रविवार को जिले में बनाए गए कुल 6 परीक्षा केंद्रों पर भविष्य के चिकित्सकों ने नीट यूजी की प्रवेश परीक्षा दी। जिले में सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से प्रशासन ने परीक्षा को संपन्न कराया। बता दें कि जिले के राजकीय सिटी इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, आदर्श इंटर कॉलेज, लूदर्स कॉन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज, एमएएच इंटर कॉलेज व डीएवी इंटर कॉलेज आदि को नीट यूजी के प्रवेश परीक्षा का केंद्र बनाया गया है। इस दौरान जिलाधिकारी डॉ. अविनाश कुमार व पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने कई परीक्षा केंद्रों का बारीकी से निरीक्षण किया। परीक्षा हॉल में जाकर भी उन्होंने बारीकी से देखा और संदिग्ध दिखने पर पूछताछ भी की। इसके अलावा अधिकारियों ने केंद्रों के सीसीटीवी कैमरों को देखने के साथ ही कंट्रोल रूम को भी देखा। इसके बाद परीक्षा को सकुशल व शुचितापूर्ण ढंग से कराने का निर्देश किया। कहा कि परीक्षा में किसी तरह की चूक क्षम्य नहीं होगी। जिम्मेदारों पर कड़ी कार्यवाही होगी। इस मौके पर सीओ सिटी शेखर सेंगर, कोतवाल दीनदयाल पाण्डेय आदि रहे।

प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश ने किया संघर्ष सेवा समिति कार्यालय का अवलोकन

अमन लेखनी समाचार/ हेमन्त यादव

झाँसी। संघर्ष सेवा समिति के कार्यों को देखते हुए लगातार लोग कार्यालय आकर संघर्ष सेवा समिति के कार्यों का अवलोकन करते हैं। जिससे संगठन का विस्तार तो होता ही है साथ ही असहायों और पीड़ितों की सहायता करने में भी सहयोग प्राप्त होता है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव डॉक्टर अवधेश प्रताप सिंह का संघर्ष सेवा समिति कार्यालय आगमन हुआ जहां डॉक्टर संदीप ने तिलक व माल्यार्पण कर उनका स्वागत एवं शॉल पहनाकर एवं मोमेंटो देकर उनको सम्मानित किया। स्वागत कार्यक्रम के पश्चात डॉ अवधेश प्रताप सिंह ने समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारियों से बातचीत की साथ ही संघर्ष सेवा समिति का कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया। डॉ अवधेश प्रताप सिंह ने कहा की सेवा कार्यों की जितनी सराहना की जाए उतनी कम है। डॉक्टर संदीप मानवता की सेवा का पुण्य कर्म कर रहे हैं आज संघर्ष सेवा समिति की पूरी टीम से मुलाकात हुई इस प्रकार के कार्यों को निश्चित रूप से प्रोत्साहन देना चाहिए। जो कार्य प्रशासन को करना चाहिए वह कार्य डॉक्टर संदीप कर रहे हैं समाजसेवी कार्यो के लिए डॉक्टर संदीप को कई जगह सम्मानित किया गया है इसके लिए मैं उनका अभिनंदन करता हूँ और आशा करता हूँ, डॉ० संदीप इसी तरह अपने सेवा कार्यों को आगे बढ़ते रहें। इस अवसर पर अरविंद कुमार उपाध्याय (जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास), मुन्नालाल गौड़ (तहसीलदार दतिया), देवेंद्र सेन, छत्रपाल राजपूत, अतुल यादव, जगदीश, आनंद चौहान, सतनाम सिंह काके, रिजवान, मास्टर मुन्नालाल, सुशांत गुप्ता, संदीप नामदेव, महेंद्र रायकवार, रेखा विश्वकर्मा, नीलू रायकवार, दीक्षा साहू, बसंत गुप्ता, भूपेंद्र यादव, आशीष विश्वकर्मा, अरुण पांचाल, आनंद चौहान, प्रमेंद्र सिंह, भगवान दास, मीना मसीह, अनूप खरे, के.के. दुबे आदि उपस्थित रहे।

वक्फ संशोधन बिल को लेकर जागरूकता अभियान शुरू, प्रभारी मंत्री ने किया सम्बोधित

कस्बे के मदरसा रहमानिया में सेमिनार आयोजित हुआ।

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर |केंद्र सरकार द्वारा लाए गए वक्फ संशोधन बिल का पूरे देश में विरोध हो रहा है और अनगिनत याचिकाएं माननीय सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दी गई हैं जिनपर सुनवाई भी चल रही है |इसी को लेकर सरकार ने बिल को लेकर लोगों में जन जागरूकता लाने की पहल शुरू कर दी है |उसी सिलसिले में प्रभारी मंत्री और पार्टी की वर्किंग कमेटी के अल्पसंख्यक सदस्य ने लोगों को बिल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रविवार को कस्बे के मदरसा रहमानिया अनवारुल उलूम में केंद्र सरकार द्वारा लाए गए वक्फ संशोधन बिल को लेकर आमजन को बिल के बारे में विस्तार से जानकारी देने के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बीजेपी अल्पसंख्यक वर्किंग कमेटी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य फैसल सिददीकी ने लोगों को सम्बोधित किया। प्रभारी मंत्री ने बताया कि वक्फ कानून का फायदा आमजन को है लेकिन विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग अपने फायदे को लेकर इसके नुकसान बता रहे हैं। जिसके चलते इस कानून का अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है जबकि कानून अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के हित में है |जिसके चलते सरकार अब इस कानून को लेकर जनजागरण अभियान चला कर आमजन तक इस बिल के फायदे बता रही है। इस दौरान क्षेत्राधिकारी विनीता पहल, तहसीलदार सहित अन्य बीजेपी नेता और मुस्लिम समुदाय के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

शातिर एटीएम हैकर चढ़ा पुलिस के हत्थे

अमन लेखनी समाचार

मौदहा,हमीरपुर |कस्बे के अलग अलग एटीएम से आएदिन कार्ड बदलकर होने वाली टप्पेबाजी ने पुलिस की कार्यवाही पर सवालिया निशान लगा दिया था जिसके बाद पुलिस ने हैकर्स की तलाश शुरू कर दी थी और रविवार तड़के पुलिस ने नेशनल हाईवे पर लगे एटीएम से एक बाहरी जनपद के हैकर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से लगभग तीन दर्जन एटीएम कार्ड सहित अन्य सामान बरामद किया है।

रविवार तड़के कस्बे के बाहर नेशनल हाईवे पर बड़े चौराहे पर लगे हिटाची कम्पनी के एटीएम से जनपद जालौन के कालपी थानाक्षेत्र के हीरापुर निवासी मनमोहन सिंह पुत्र कालीचरण को गिरफ्तार किया है |पकड़े गए आरोपी के पास से 34 अलग अलग बैंकों के एटीएम कार्ड,एक मोबाइल फोन, एक पैनकार्ड, एक फाईवीकोल और पांच सौ से अधिक रुपये बरामद किए हैं |आरोपी के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेजा जा रहा है।

बताते चलें कि कस्बे के अलग अलग एटीएम से आएदिन कार्ड बदलकर रुपये निकलने के मामले सामने आ रहे थे जिससे आमजन भयभीत था इसी को लेकर पुलिस ने अपना जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया |आरोपी के गिरफ्तार होने से लोगों ने राहत की सांस ली है।

मौदहा में गैस सिलेंडर रिसाव से लगी भीषण आग, पांच घर जले

बिजली नहीं होने से नहीं चल सके समरसेबल

अमन लेखनी समाचार

मौदहा हमीरपुर |रविवार सुबह कस्बे में आग की खबर से हड़कंप मच गया और आनन फानन में कोतवाली पुलिस, फायर ब्रिगेड और मोहल्ले के युवाओं की मदद से लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया तब तक आग से पांच घरों की गृहस्थी जलकर खाक हो गई |हालांकि सिलेंडर फटने से आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस अग्निकांड की घटना के बाद नगर पालिका अध्यक्ष ने मौके पर पहुंच पीड़ितों को कुछ राहत राशि देकर उनके आंसू पोंछने का सराहनीय प्रयास किया है।

कस्बे के मोहल्ला उपरौस नयी बस्ती मलीकुआ चौराहा के निकट अरमान सीवी पुत्र खुदाबख्श के मकान में रह रहे यासीन के यहां रविवार सुबह खाना बनाते समय गैस सिलेंडर के रिसाव के कारण सिलेंडर में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया |गैस सिलेंडर में लगी आग और घर में रखे कुछ और गैस सिलेंडर के कारण लोग दहशत में आ गए और घर के अंदर जाने से बचने लगे इसी बीच जोरदार धमाके के साथ सिलेंडर फट गया जिससे बगल में रह रहे अन्य लोगों के कमरों के छप्परों को देखते ही देखते आग ने अपनी चपेट में ले लिया हालांकि आग की खबर मिलते ही कोतवाली पुलिस, फायर बिग्रेड व नगर पालिका के जबीर चौधरी की टीम के साथ ही मोहल्ले के युवाओं ने जान जोखिम में डालकर लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया तब तक मकान में रहने वाले मोहम्मद ताहिर पुत्र यासीन, शरीफ पुत्र बफाती, शन्नो पुत्री रहमान, सितारा पत्नी इस्लाम के घर की गृहस्थी का लगभग सारा सामान जलकर खाक हो गया। वहीं राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर आग से हुए नुकसान का आंकलन शुरू कर दिया है। वहीं लोगों का मानना है कि यदि रविवार को बिजली आपूर्ति चालू रहती तो मोहल्ले में लगे समर सेबल के माध्यम से जल्दी आग पर काबू पाया जा सकता था। लेकिन बिजली नहीं होने के कारण पानी की सुविधा नहीं हो सकी जिससे आग को भड़कने का मौका मिल गया। इस सम्बंध में नायाब तहसीलदार महेंद्र गुप्ता ने बताया कि आग लगने की उन्हें जानकारी मिली है तो तत्काल विभागीय कर्मचारियों को आग से हुए नुकसान का आंकलन करने के लिए भेजा है और सरकार से पीड़ितों को हर सम्भव सहायता दिलाने का काम किया जाएगा। जबकि इस घटना की जानकारी होने पर नगर पालिका अध्यक्ष राजा मोहम्मद उर्फ श्रीनाथ ने मौके पर पहुंच प्रत्येक पीड़ित परिवारों को दस-दस हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

वर्ल्ड लाफ्टर डे स्पेशल

इस बात से शायद ही कोई असहमत होगा कि आज के दौर में हंसना सबसे कठिन होता जा रहा है। जबकि कई स्टडीज से साबित हुआ है और हेल्थ स्पेशलिस्ट भी मानते हैं कि हंसने से अनेक शारीरिक, मानसिक लाभ मिलते हैं। यही नहीं हंसने वाले लोग हर तरह की परेशानियों को बेहतर तरीके से हैंडल भी कर लेते हैं। तो आप भी जी भर हंसिए-खिलखिलाइए।

हर परेशानी को भुलाकर हंसिए-खिलखिलाइए

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

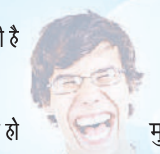

कभी-कभी यूं ही बेवजह हंसी आ जाती है
जैसे किसी पुराने दोस्त ने
बिना कहे याद कर लिया हो।
जैसे मां ने सिर पर हाथ रखकर कहा हो
सब ठीक है बेटा।
जैसे किसी शाम हवा ने अचानक खुशबू ला दी हो
जो बचपन में बगिया से आती थी।
कभी-कभी यूं ही बेवजह हंसी आ जाती है
और तब लगता है
जिंदगी इतनी भी मुश्किल नहीं...।

-गुलजार

जी हां, इस व्यस्त और तनावभरी जिंदगी में हाल के दशकों में हमने हंसी के बहुत सारे फायदे सुने, जाने और महसूस किए हैं। इसलिए हर साल मई माह के पहले रविवार को मनाया जाने वाला विश्व हास्य दिवस, हर गुजरते साल के साथ दिन दूनी, रात चौगुनी रफ्तार से लोकप्रियता की सीढ़ियां चढ़ रहा है।

बेसब्री से लोग करते हैं इंतजार: साल 1998 से मनाया जाने वाला यह हास्य दिवस, कुछ गिने-चुने अंतरराष्ट्रीय दिवसों में से है, जिसका लोग महीनों से इंतजार करते हैं। हालांकि यह इंतजार तो एक बहाना होता है, इसके पीछे छिपी असली बात यह है कि आज हंसी की महत्ता सर्वसिद्ध हो चुकी है। यही वजह है कि आज हास्य दिवस अपनी उपस्थिति से विश्व शांति और वैश्विक चेतना को बढ़ावा दे रहा है। यह दिन हम सबकी जिंदगी के तनाव को कम करता है, मूड को बेहतर करता है, जितनी भी हो सके जीवन को सकारात्मकता देता है। भला इस महंगाई के दौर में हंसी से ज्यादा फायदे का सौदा और क्या हो सकता है, जिसमें एक्सरसाइज भी हो, दवा भी हो और मेडिटेशन भी। हंसने से ये तीनों चीजें एक ही समय भरपूर और पूरी तरह से मुफ्त मिलती हैं। बावजूद इसके हंसना इतना आसान नहीं है, कुदरत की यह दौलत हर किसी को नहीं मिलती। तभी तो प्रेमलाल शिफा देहलवी ने कहा है-

या तो दीवाना हंसे या तुम जिसे तौफीक दो
वर्ना इस दुनिया में रहकर मुस्कुराता कौन है

केवल हंसी नहीं लाफ्टर योगा: साल 1998 में भारत के एक चिकित्सक डॉ. मदनलाल कटारिया ने हास्य दिवस की शुरुआत की थी। उनके मुताबिक यह अपने आपमें एक योग है, इसलिए हास्य को 'लाफ्टर योगा' माना जाता है। हंसना, सेहत के लिए रामबाण है। हंसने से शरीर में खून बढ़ता है, हंसने से हमारे शरीर में एंडोर्फिन, डोपामिन और सेरोटोनिन जैसे हैप्पी हार्मोंस रिलीज होते हैं। ये वही हार्मोन या रासायनिक स्त्राव हैं, जो हमारे दुखों, तकलीफों को चुटकी बजाकर गायब कर देते हैं और हम तरोताजा हो उठते हैं। ये हार्मोन हमारे मूड को बेहतर करते हैं, हमें हल्का-फुल्का महसूस कराते हैं। इसलिए वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि हंसी तनावनाशक है। यह तनाव पैदा करने वाले हार्मोन जैसे कि कॉर्टिसोल का खात्मा करता है।

अनेक देशों में हो रहा पॉपुलर: करीब 27 वर्ष पहले शुरू हुआ लाफ्टर डे, आज दुनिया के 72 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है, इसके पीछे उद्देश्य है गोला-बारूद और व्यापार युद्ध से झुलस रही दुनिया में भाईचारा और सद्भावना बढ़े। इस हास्य योगा मुहिम के जरिए लोग आपस में खुशियां बांटना चाहते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर उनकी तरह ही उनके आस-पास रहने वाले लोग भी हंसेंगे तो खुश रहेंगे, स्वस्थ रहेंगे, सकारात्मक रहेंगे और एक-दूसरे के काम आएंगे। यही वजह है कि आज भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में लोग पार्कों में मॉर्निंग वॉक करते हुए समूहबद्ध होकर हंसने, खिलखिलाने की खूब कोशिश करते हैं। इसीलिए हास्य दिवस की प्रासंगिकता और इसकी स्वास्थ्य संबंधी महत्ता दिन पर दिन बढ़ती जा रही है।

दिल की बीमारियां रहती हैं दूर: हंसना सिर्फ हमारे शरीर में अच्छा अनुभूत होने वाला रासायनिक परिवर्तन ही नहीं करता। यह हमें शारीरिक रूप से भी स्वस्थ करता है। हंसना एक कार्डियो एक्सरसाइज है। हंसने से हमारे दिल की धड़कनें तेज होती हैं, हंसी फेफड़ों तक ज्यादा ऑक्सीजन पहुंचाती है, एक अच्छी हंसी हमारे ब्लड प्रेशर को संतुलित रखती है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन का मानना है कि 10-15 मिनट की रोजाना की हंसी हमारी 30 से 40 प्रतिशत तक दिल की बीमारी की आशंका कम कर देती है। हालांकि इसके साथ कुछ और कारक भी होते हैं, लेकिन दिल की सेहत के लिए हंसना बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि हंसने से हमारा इम्यून सिस्टम भी मजबूत रहता है, शरीर की कोशिकाएं सक्रिय रहती हैं, एंटीबॉडीज का उत्पादन लगातार बढ़ता है और यह शरीर को बीमारियों से लड़ने में मजबूत बनाता है।

परेशानियों से दिलाए छुटकारा: कभी-कभी लगता है कि जैसे आज पूरी दुनिया में हंसी के विरुद्ध कोई अघोषित युद्ध चल रहा है। अगर गौर से देखें तो दुनिया की ज्यादातर हरकतें, लोगों के हंसने यानी खुश रहने के विरुद्ध हैं। दुनिया में बढ़ती महंगाई, बढ़े हुए काम के घंटों से व्याप्त तनाव, वर्क फ्रॉम होम के कारण घरों तक चला आया दफ्तर का तनाव, सोशल मीडिया पर होने वाले टेंशनफुल कमेंट्स, वीडियोज और न जाने ऐसी कौन-कौन सी हमारी रोजमर्रा की गतिविधियां हैं, जो कि हमें हंसने नहीं देतीं। हर समय डिप्रेशन और डिजिटल टॉक्सिंस में डुबोए रखती हैं। हंसी इन सबकी अकेली ऐसी काट है, जो हमें इन सब परेशानियों से छुटकारा दिलाती है और डिजिटल जहर को भी बड़ी आसानी से डिटॉक्स कर देती है। इसीलिए दुनिया की अनगिनत परेशानियों से अगर कोई एक ताकत हर समय मजबूती से लड़ते हुए दिखती है, तो वह हंसी ही है। लोमा लिंडा यूनिवर्सिटी के एक शोध में यह सिद्ध हुआ है कि जो लोग नियमित तौर पर कॉमेडी वीडियो देखते हैं, वो परेशानियों से अच्छी तरह से निपट सकते हैं और उनके शरीर की इम्यून प्रतिक्रिया उन लोगों से बेहतर होती है, जो हमेशा गंभीर और तनाव की मुद्रा में रहते हैं। यह अकारण नहीं है कि सोशल मीडिया हो या पारंपरिक टीवी मीडिया, सबसे ज्यादा हंसी ही बिकती है, सबसे ज्यादा कॉमेडी शोज ही देखे जाते हैं। *

कारगर हो रही लाफ्टर थेरेपी

हम सब इस बात से अवगत हैं कि हाल के सालों में जिस तरह से हमारी लाइफस्टाइल ज्यादा व्यस्त, ज्यादा आत्मकेंद्रित हुई है, उसी तरह से हम पर कई तरह के मानसिक अवसादों और विकारों ने हमला किया है। आप यकीन मानिए, आज दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य की सबसे असरदार और सबसे सटीक दवा हंसना ही है। पूरी दुनिया में डॉक्टर लाफ्टर थेरेपी को मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे कारगर दवा मानते हैं। इसे ह्यूमर थैरेपी कहा जाता है और आज यह भारत में बड़े-बड़े संगठनों और कॉरपोरेट मीटिंग्स का हिस्सा बन गया है। अमेरिका से लेकर यूरोप तक आज ह्यूमर थैरेपी या लाफ्टर क्लब 10 बिलियन डॉलर से बड़ा बिजनेस बन चुकी है। इसलिए अगर कोई कहे कि हंसने से क्या मिलता है, तो कहिए यह एक्सरसाइज है, मेडिसिन है और मेडिटेशन भी है यानी थ्री इन वन है। जो हमें खुशी देती है और रोमांचित करती है।

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक-मानसिक गतिविधि माना जाता है। लेकिन हास्य को योगा का स्वरूप देकर पूरी दुनिया में पॉपुलर बनाने वाले डॉक्टर मदन कटारिया ने इसे स्वस्थ-खुशहाल जीवन की कुंजी बना दिया है।

हंसना-योगा साथ-साथ सिखाने वाले डॉ. मदन कटारिया

पर्सनालिटी
शैलेंद्र सिंह

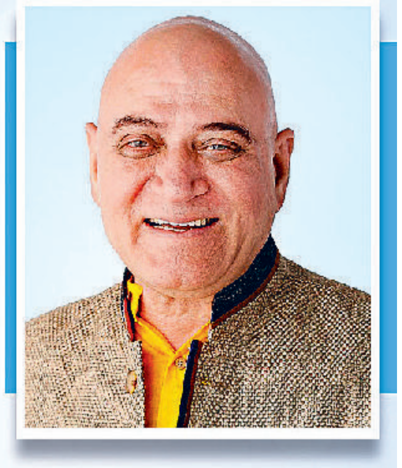

डॉक्टर मदन कटारिया, जिन्हें 'लाफ्टर गुरु' या 'गिगलिंग गुरु' के नाम से भी जाना जाता है, को अगर आधुनिक भारत का हास्य योगाचार्य कहें तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा। पारंपरिक योग की तरह ही आज पूरी दुनिया में हास्य योग की लोकप्रियता भी बढ़ती जा रही है। इसे पॉपुलर बनाने में सबसे बड़ी भूमिका रही है डॉक्टर मदन कटारिया की।

31 दिसंबर 1955 को महाराष्ट्र के एक गांव में पैदा हुए मदन कटारिया ने साल 1979 में गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर से मेडिकल स्नातक की डिग्री हासिल की और एक सामान्य चिकित्सक की तरह मुंबई के एक अस्पताल में प्रैक्टिस करने लगे। लेकिन उसी दौर से वे मानने लगे थे कि हास्य एक औषधि के रूप में हमें स्वस्थ रखने में सहायक हो सकती है। जिसका सार यह था कि हंसी शरीर में एंडोर्फिन बढ़ाती है और तनाव कम करती है। डॉ. कटारिया को इन शोध ने गहराई से प्रभावित किया। हालांकि यह रिसर्च मूलरूप से उनकी नहीं थी, उन्होंने भी इसे किसी विश्वविद्यालय की रिसर्च के रूप में पढ़ा था, लेकिन इसे पढ़कर उन्हें खुद बहुत खुशी मिली थी और तभी उन्होंने तय कर लिया था कि वह इसे एक चिकित्सा पद्धति के रूप में विकसित करेंगे। इस तरह अपने मन में पल रहे लक्ष्य को पूरा करने में वह जुट गए।

ऐसे हुई शुरुआत: 13 मार्च 1995 को डॉ. मदन कटारिया ने मुंबई में अंधेरी वेस्ट के लोखंडवाला पार्क में महज 5 लोगों के साथ हंसी के स्वास्थ्य लाभों पर आधारित लाफ्टर क्लब की शुरुआत की थी। आज दुनिया के लगभग 120 देशों में लाफ्टर क्लब्स, जिनकी संख्या 6 हजार से ऊपर है, चल रहे हैं। पूरी दुनिया उन्हें न सिर्फ लाफ्टर गुरु बल्कि हंसी को अमृत चिकित्सा में बदल देने वाला डॉक्टर मानते हैं।

जान लिया था हंसी का रहस्य: वास्तव में अपनी युवावस्था में ही डॉ. कटारिया ने यह रहस्य पा लिया था कि हंसी महज इंसानी गतिविधि भर नहीं है बल्कि यह अपने आप में इंसान को कुदरत से मिला वरदान है। इसलिए उन्होंने आज के इस व्यस्त और तनावग्रस्त दुनिया में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए इसे एक आंदोलन का रूप दिया, जो आज पूरी दुनिया में लाफ्टर मूवमेंट के नाम से जाना जाता है। डॉ. कटारिया का लाफ्टर क्लब की स्थापना के पीछे एक सीधा सा विचार था कि हंसी, दुनिया की सबसे अच्छी दवा है। यदि लोग बिना किसी चुटकुले या कॉमेडी सुने-देखे भी हंसते हैं तो उन पर इस हंसी का सकारात्मक असर पड़ता है।

शुरू किया हास्य योगा: जब डॉ. कटारिया ने देखा कि लोगों को उनकी बातों में आकर्षण महसूस हो रहा है तो उन्होंने अपने इस हंसी योग में सांस लेने की तकनीक को भी शामिल किया और इसे प्राणायाम के साथ जोड़ लिया। जिस कारण आज हास्य योग, बेहद वैज्ञानिक योग में परिवर्तित हो चुका है। हास्य योग हंसने की एक ऐसी वैज्ञानिक विधि है, जो लाफ्टर योगा के रूप में दुनिया के सामने आई है। डॉ. कटारिया ने इस हास्य योग को एक सुप्रबंधित वैज्ञानिक प्रक्रिया में बदलने के लिए हास्य पर कई किताबें भी लिखी हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है- लाफ फॉर नो रीजन। उन्होंने टेड टॉक्स, बीबीसी और नेशनल जियोग्राफिक जैसे कई अंतरराष्ट्रीय चैनलों में अपने इस हास्य योग के संबंध में लंबे व्याख्यान भी दिए हैं। हंसने को लेकर उनका एक प्रेरणाप्रद विचार है, 'हम हंसते नहीं क्योंकि हम खुश हैं, हम खुश होते हैं, क्योंकि हम हंस सकते हैं।'

ईजाद की नई तकनीक: वास्तव में आज पूरी दुनिया, हंसने को खुश और संतुष्ट रहने का साइंस मानती है। लेकिन शुरू में जब डॉ. मदन कटारिया मुंबई के पार्कों में लोगों को हंसी का महत्व बताया करते थे, तो लोग उनकी बात को मजाक मानकर एक कान से सुनते और दूसरे कान से निकाल देते थे। फिर भी डॉ. कटारिया अपने इस मिशन से पीछे नहीं हटे। कुछ समय बाद डॉ. मदन कटारिया ने जान-बूझकर हंसने यानी सिमूलेटिड लाफ्टर तकनीक विकसित की, जो आज एक योग के प्रारूप में लोगों द्वारा हर दिन अभ्यास की जाती है। लाफ्टर योगा केवल भारत में ही नहीं रुका बल्कि इसकी ख्याति देखते ही देखते साल 2023 तक 110 देशों में फैल चुकी थी। साल 2023 में ही पूरी दुनिया में लाफ्टर योगा कराने वाले क्लबों की संख्या 6 हजार से ज्यादा हो चुकी थी। आज हंसाने वाले उनके ये क्लब स्कूलों, वृद्धाश्रमों, जेलों और मल्टीनेशनल कंपनियों तक में चलते हैं और डॉक्टर मदन कटारिया को आज की दुनिया का हास्य गुरु बनाते हैं। *

हास्य कविता
हरीश कुमार 'अमित'

इक आम न मिलता

कुछ लोगों को काम न मिलता,
लेकिन हमको आराम न मिलता।
दफ्तर की कुर्सी पे दो घंटे,
सोने का इंतजाम न मिलता।
भर-भर थैले फल घर लाऊं,
खाने को इक आम न मिलता।
भरा कबाड़ से है घर सारा,
बेचूं कैसे, सही दाम न मिलता।
पन्ने भर-भर लिखी शायरी,
पर हमको कभी नाम न मिलता।

दर्द-ए-सिर भला भागे कैसे,
ढूंढे पर भी बाम न मिलता।
प्रेम पत्र तो अनगिन भेजे,
उत्तर में पैगाम न मिलता।
खूब लगाते मक्खन अफसर को,
फिर भी कोई ईनाम न मिलता।
रोज न पड़ती डांट अफसर की,
सुबह जो ट्रैफिक जाम न मिलता।
उधार चुकाने वाला हमको,
किसी सुबह, किसी शाम न मिलता।

व्यंग्य
अंशुमाली रस्तोगी

कुछ तो लोग कहेंगे

कुछ लोग कहते हैं। लेकिन क्यों कहते हैं, वे भी नहीं जानते। कहना उनकी आदत है। कहना उनकी बीमारी है। नहीं कहेंगे तो उनका दो वक्त का खाना हजम नहीं होगा। जुबान में अटकाहट-सी महसूस होगी। पेट में किसिम-किसिम की मरोड़ें पैदा होंगी।

किसी को कुछ भी कह देना, हम भारतीयों की जन्मजात फितरत रही है। चाहे सामने वाले से मतलब हो या न हो, फिर भी उसके बारे में हम कुछ भी कहने की छूट ले ही लेते हैं और, किसी के बुरा मानने की तो हम परवाह ही नहीं करते। परवाह करने लगे तो जमीर टोकेगा कि क्या हो गया है तुम्हें!

वैसे, लोगों के कुछ भी कहने पर एक शोध अवश्य होना चाहिए। आखिर पता तो लगे कि लोग क्यों कुछ भी कह देते हैं? अपने निजी अनुभव के आधार पर कह रहा हूं कि कहने वालों में सबसे बड़ी तादाद पढ़े-लिखे लोगों की होती है। पढ़ी-लिखी जमात ऐसा मानती है कि वो कुछ भी कहने के लिए स्वतंत्र है। अच्छा देखेगी तो कुछ कहेगी। खराब देखेगी तो कुछ कहेगी। गंदा देखेगी तो कुछ कहेगी। महसूस करेगी तो कुछ कहेगी। मतलब, उसे हर वक्त कुछ न कुछ कहना ही है, कहने को वो अपनी शान समझती है। कभी खामोश नहीं रहती। उसके आगे तो प्रायः कैंची भी फेल हो जाया करती है। अकसर सोचता हूं कि यह जमात आखिर ऐसा क्या खाती है, जो कुछ भी कहती रहती है हर वक्त!

जानते हैं, मुझसे लोग इसलिए परेशान रहते हैं कि मैं कभी कुछ क्यों नहीं कहता? मुझे कुरेदते हैं, मुझे उलहाना देते हैं। मुझे लालच तक देते हैं, लेकिन मैं कभी कुछ नहीं कहता। कुछ न कहना, मेरी फितरत में शामिल हो चुका है।

लेखक लोग अपनी किताबें मुझे भेजते हैं। फिर कहते हैं कि मैं उन पर कुछ कहूं। जब कुछ नहीं कहता तो बुरा मान जाते हैं। मुझे मनघुन्ना तक साबित कर देते हैं। तब भी मैं उनसे कुछ नहीं कहता। सोचता हूं कि क्या कहूं? कहने वालों की भीड़ में एक शख्स ऐसा भी तो होना चाहिए, जो कुछ न कहे। कहने वालों को और कहने वालों की, सिर्फ सुने। यही तो मैं करने की कोशिश किया करता हूं। किंतु लोग हैं कि बुरा मान जाते हैं। मेरे कुछ न कहने को 'अदरवाइज' ले लेते हैं। अब जो ले लेते हैं तो लें, मैं ऐसा ही हूं! क्या करूं।

> किसी को कुछ भी कह देना, हम भारतीयों की जन्मजात फितरत रही है। चाहे सामने वाले से मतलब हो या न हो, फिर भी उसके बारे में हम कुछ भी कहने की छूट ले ही लेते हैं और, किसी के बुरा मानने की तो हम परवाह ही नहीं करते।

यू नो, लोगों के पास बहुत समय है, लेकिन दूसरों के लिए नहीं, आपस में मिलने-जुलने और बतियाने के लिए नहीं, कुछ भी किसी को भी कहने और लंबी-लंबी बेतुकी चर्चाओं के लिए। कुछ भी कहने के मामले में सोशल मीडिया का हाल सबसे बुरा है। किसी के पन्ने या दीवार पर जैसे ही दस्तक दीजिए, कुछ न कुछ आड़ा-तिरछा कहता हुआ ही मिलेगा। यहां लोग सार्थक बहुत कम लिखते या कहते हैं, ज्यादातर सिर्फ खुन्नस निकालते हैं। वे इसी में खुश हैं, उन्हें लगता है कि ऐसा कर वे बहुत महान काम कर रहे हैं। महान लोगों से सोशल मीडिया का मंच खदबदा रहा है।

आज की तारीख में कुछ भी कहना, दुनिया भर में एक लाइलाज बीमारी-सी बनती जा रही है। जुबान कैंची से अधिक खतरनाक हो चली है। दिल फरेबी हो गए हैं, आंखें शातिरता का पैमाना बन गई हैं। मन कुटिलता में तब्दील होते जा रहे हैं। भावना, संवेदना, सहनशीलता, इंसानियत की बातें किताबों में ही सिमट कर रह गई हैं। अच्छा और मीठा कहते-बोलते लोग कम मिलते हैं। तरह-तरह के उपदेश, प्रवचन और ज्ञान हर किसी के पास बहुत है, मगर व्हाट्सएप के स्टेटस पर चढ़ाने के लिए ही।

कम बोलते लोग मुझे भाते हैं। उनसे ही बोलना मुझे अच्छा भी लगता है। उनके बीच जाकर मुझे सुकून मिलता है। इसीलिए मैं भी कम ही कहता और बोलता हूं ताकि फिजा में प्रदूषित शब्दों का जहर कम घुल सके। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि विगत लगभग एक सदी में मुंशी प्रेमचंद हिंदी के सर्वाधिक पढ़े जाने वाले कथाकार हैं। इसकी वजह है कि जीवन के लगभग हर पक्ष और संवेदना पर उन्होंने मर्मस्पर्शी कहानियां लिखी हैं। उनकी लगभग 300 कहानियों में से 15 व्यंग्यात्मक कहानियों का संकलन 'प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं' हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इसमें हम (मोटेराम जी शास्त्री, शादी की वजह, दो बैलों की कथा, निमंत्रण, सत्याग्रह, रसिक संपादक, गुरुमंत्र, स्वांग) समेत कई ऐसी मशहूर कहानियां पढ़ सकते हैं, जिसमें समाज, राजनीति, व्यवस्था में व्याप्त विद्रूप और इंसानी चरित्र की निकृष्टता और उसके दोहरेपन पर कटाक्ष किया गया है। इनमें प्रेमचंद बेहद सहजता से चुटकी लेकर पाठक को बहुत कुछ सोचने पर विवश करते हैं। आमतौर पर जीवन की विडंबनाओं से उपजने वाली तकलीफ और करुणा को अपनी कहानियों का विषय बनाने वाले प्रेमचंद की व्यंग्य कथा-लेखक की भी छवि, इन कहानियों से निर्मित होती है। पुस्तक की भूमिका में संपादक ने उचित ही कहा है, 'प्रेमचंद की इन कहानियों में जीवन के अनेक रंग हैं, जो सहज हास्य और शिष्ट व्यंग्य की पगडंडी पर दौड़ते दिखते हैं।' *